मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 48
मंगलवार, 25 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

फुटपाथ पर कब होगी लोगों के चलने की व्यवस्था, सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 24 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने फुटपाथ की अहमियत को रेखांकित करते हुए सोमवार को कहा कि फुटपाथ मानव जीवन का अहम हिस्सा है। पैदल चलने वालों के सुरक्षित आवागमन के अधिकार को गंभीरता से लेते हुए शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा है कि सड़कों पर पैदल यात्रियों के लिए सही ढंग से चिन्हित और कब्जा मुक्त फुटपाथ सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ ने सड़क पर पैदल चलने वालों के लिए तय और सुरक्षित स्थान सुनिश्चित करने से जुड़े मामले का दायरा बढ़ाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है।

कोर्ट ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज से कहा कि पहला कदम पैदल चलने वालों के लिए जगह को सही ढंग से चिन्हित करना है। लोगों को यह भरोसा होना चाहिए कि सड़क पर उनके लिए सुरक्षित जगह मौजूद है और उन्हें उसी जगह पर चलना है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी ने कोर्ट को बताया कि सड़कें राज्य का विषय हैं इसके बावजूद सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के अनुपालन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साथ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एएचएआई) को पैदल चलने वालों के लिए अलग जगह

उपलब्ध कराने (फुटपाथ) संबंधी एडवाइजरी जारी की है। कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इन एडवाइजरी पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि फुटपाथ का होना इंसानी जिंदगी का एक अहम हिस्सा है। गत तीन अगस्त को कोर्ट ने केंद्र को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि हर सड़क पर पैदल चलने वालों के लिए अलग जगह हो। अदालत ने यह भी कहा था कि फुटपाथ पर किसी तरह का कब्जा नहीं होना चाहिए। और उसे मोटर वाहनों की लेन से उचित रूप से अलग रखा जाना चाहिए।

पैदल चलने वालों को यह भरोसा होना चाहिए कि यह तय जगह पर वे बिना किसी चलते वाहन के खतरे के स्वतंत्र रूप से चल सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 19 जून के एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट रूप से कहा था कि तय फुटपाथ पर चलने का अधिकार मौलिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत पैदल चलने का अधिकार संरक्षित है और यह तय फुटपाथ पर पैदल चलने वालों के अधिकार को मोटर वाहनों की आवाजाही पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। फुटपाथ के अधिकार को मान्यता देते हुए कोर्ट ने उस आदेश में कहा था कि शहरी विकास प्राधिकरण, नगर निगम, नगरपालिकाएं और यहां तक कि पंचायतें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें फुटपाथ और पैदल चलने वालों के लिए जरूरी दूसरी सुविधाओं को तय करने, बनाने, उनकी देखभाल करने और उन्हें सुरक्षित रखने की कोशिश करनी चाहिए।

ममता बनर्जी का भाजपा पर हमला, कहा- सत्ता परिवर्तन के 4 महीने में दिख गया असली चेहरा

कोलकता, 24 अगस्त। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राजनीतिक 'संन्यास' नहीं लेंगी और तब तक नहीं रुकेंगी जब तक वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हाशिये पर नहीं धकेल देतीं। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर यह भी कहा कि राज्य की सत्ता में बदलाव के चार महीने के भीतर ही लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का असली चेहरा देख लिया है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि जनगणना की कवायद राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की एक और 'पिछले दरवाजे से की गई कोशिश' है और इसे राजनीतिक दलों से सलाह किए बिना लागू किया गया। उन्होंने लोगों को जनगणना के फॉर्म पर हस्ताक्षर करने और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले सतर्क रहने को कहा तथा चेतावनी दी कि इससे उनकी

निजी बचत तक खत्म हो सकती है।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं द्वारा अन्नपूर्णा भंडार वित्तीय सहायता योजना की राशि के वितरण में कथित देरी को लेकर किए जा रहे प्रदर्शनों के बीच बनर्जी ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार अपात्रता का हवाला देकर लाभार्थियों की संख्या घटा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री बनर्जी ने आरोप लगाया, "हमने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए लक्ष्मीर भंडार शुरू किया था, लेकिन भाजपा अन्नपूर्णा भंडार का पैसा देने में धर्म और जाति को आधार बना रही है। वह चुनाव से पहले सभी महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना का पैसा देने के अपने वादे का उल्लंघन कर रही है और अब उन्हें धोखा दे रही है।"

यादवपुर विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और वामपंथी छात्रों के बीच झड़पों के बीच उन्होंने भाजपा पर परिसर में तोड़फोड़ करवाने का आरोप लगाया और कहा, "वहां कुछ छात्रों के साथ हमारे मतभेद होने के बावजूद हम उनका सम्मान करते हैं।" मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उन्होंने आरोप लगाया कि इस कवायद के जरिए लाखों वास्तविक मतदाताओं के नाम अवैध रूप से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए फिर से उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगी।

बीजेपी का बड़ा ऐलान: पंजाब की सभी 117 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

पंजाब, 24 अगस्त। फरवरी 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल के बीच संभावित गठबंधन की बढ़ती चचाओं के बीच, बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने सोमवार को कहा कि पार्टी राज्य में अपनी सरकार बनाने के मकसद से सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पटियाला में राज्य बीजेपी की जोनल बैठक को संबोधित करते हुए संतोष ने कहा कि पंजाब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है और बीजेपी इस बदलाव को हकीकत में बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है। आगामी विधानसभा चुनावों में, बीजेपी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करके राज्य में अपनी सरकार बनाएगी। पश्चिम बंगाल में मिली जीत से

उत्साहित बीजेपी ने पंजाब में पूरी ताकत झोंकने का फैसला किया है। साथ ही, 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के बीच फिर से गठबंधन की चचाएं भी चल रही थी।

पार्टी संगठन को मजबूत करने के मकसद से, पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष दो दिन के दौरे पर पंजाब पहुंचे हैं। इसी के साथ, भगवा पार्टी ने आज पंजाब में अपनी चुनावी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। पटियाला में हुई पहली जोनल मीटिंग को संबोधित करते हुए संतोष ने कहा कि पंजाब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है और बीजेपी इस बदलाव को हकीकत में बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है। आने वाले विधानसभा चुनावों में, बीजेपी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करके राज्य में अपनी सरकार बनाएगी।

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु की 5 सीटों पर उपचुनाव पर रोक बढ़ाई, ECI के जवाब के बाद बड़ा फैसला

तमिलनाडु, 24 अगस्त। मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु विधानसभा की पांच सीटों पर उपचुनाव की घोषणा पर लगी अंतरिम रोक को 8 सितंबर तक बढ़ा दिया है। यह फैसला तब लिया गया जब भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने कोर्ट को बताया कि जब तक इन सीटों से जुड़ी लंबित चुनावी याचिकाओं पर कोई फैसला नहीं हो जाता, तब तक वह चुनाव की घोषणा नहीं करेगा। जिन पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए मद्रास हाई कोर्ट ने रोक बढ़ाई है, उनमें से एक (त्रिची ईस्ट) वह क्षेत्र है जहां से मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय जीते थे। विजय ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में दो सीटों पेरंबूर और त्रिची ईस्ट से जीत हासिल की

थी। उन्होंने पेरंबूर सीट अपने पास रखी और त्रिची ईस्ट सीट छोड़ दी। ये पाँच निर्वाचन क्षेत्र हैं - त्रिची ईस्ट, विरालिमलाई, पेरुंदुरई, अंबासमुद्रम और करूर। इन निर्वाचन क्षेत्रों में हुई जीत को चुनौती देने वाली चुनावी याचिकाएँ अभी भी कोर्ट में लंबित हैं, इसलिए रोक जारी है। मद्रास हाई कोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार, ECI ने कहा कि जब तक लंबित चुनावी मामलों का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक उपचुनावों की घोषणा करने की उनकी कोई योजना नहीं है। हालाँकि, तमिलगा वेट्री कझगम (TVK) ने इस बात का विरोध किया और मामले की जल्द सुनवाई की माँग की, साथ ही अंतरिम रोक हटाने का भी अनुरोध किया। कोर्ट ने रोक हटाने की याचिका खारिज कर दी और अंतरिम आदेश को 8 सितंबर तक बढ़ा दिया। यह घटनाक्रम 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के नतीजों को लेकर जारी कानूनी चुनौतियों के बीच सामने आया है। इससे पहले सोमवार को, DMK अध्यक्ष और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मद्रास हाई कोर्ट में एक चुनावी याचिका दायर कर कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र से ळश्ङ उम्मीदवार वी.एस. बाबू की जीत को चुनौती दी थी। स्टालिन की याचिका में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) के ठीक से काम न करने और VVPAT मशीनों से जुड़ी गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया है। उन्होंने वोटों की दोबारा गिनती की मांग की है और कोर्ट से बाबू के चुनाव को रद्द करने और उन्हें विजेता घोषित करने का अनुरोध किया है। कोलाथुर से तीन बार विधायक रहे स्टालिन, 2026 के विधानसभा चुनाव में बाबू से 8,795 वोटों से हार गए थे। इस नतीजे के साथ ही लगातार चौथी बार सीट बनाए रखने की उनकी कोशिश खत्म हो गई।

जीत के बाद, बाबू ने इस नतीजे का श्रेय TVK प्रमुख विजय और लोगों के साथ अपने जुड़ाव को दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के वोटर बदलाव चाहते थे। बाबू ने कहा, मैं सिर्फ. अपने नेता की वजह से जीता हूं। हमारे नेता का चेहरा ही तमिलनाडु का चेहरा है। लोग बदलाव चाहते थे और उन्होंने बदलाव किया है।

दूसरे दिन ध्रुव जुरेल ने जड़ा शतक, भारत ने श्रीलंका को दिए शुरूआती झटके; फिलहाल 495 रन पीछे

कोलंबो, 24 अगस्त। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 503 रन के स्कोर पर घोषित की। दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने पहली पारी में दो विकेट पर आठ रन बनाए हैं और वह अभी भारत से 495 रन पीछे चल रही है। स्टंप्स के समय कमिल मिशारा पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले बारिश ने दिन के खेल में खलल डाला जिससे कुछ समय के लिए मैच को रोकना भी पड़ा। भारत के लिए आज ध्रुव जुरेल ने शतक लगाया, जबकि ऋषभ पंत ने भी शानदार पारी खेली जिससे टीम इंडिया पहली पारी में 500 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रही। जुरेल अंत तक नाबाद रहे और भारत ने तीसरे सत्र में पारी घोषित करने का फैसला लिया। पहली पारी में श्रीलंका ने जल्द ही दो विकेट गंवा दिए हैं। लाहिरू उदारा (1) और प्रभात जयसूर्या 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए हैं। भारत के लिए अब तक प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला है।

अब तीसरे दिन भारतीय गेंदबाज श्रीलंका की पहली पारी जल्द समेटना चाहेंगे। भारत ने आज पांच विकेट पर 300 रन से आगे खेलना शुरू किया और अपने स्कोर में 203 रन जोड़े। आज भारत ने चार विकेट गंवाए। इनमें सारांश जैन (6 रन), ऋषभ पंत (63 रन), मानव सुथार (18 रन) और मोहम्मद सिराज (3 रन) के विकेट शामिल हैं। जुरेल ने टेस्ट करियर का दूसरा शतक जड़ा। वहीं, पंत ने टेस्ट करियर की 21वीं फिफ्टी लगाई। इससे पहले कल भारत ने यशस्वी जायसवाल (45 रन), केएल राहुल (18 रन), शुभमन गिल (50 रन) और रवींद्र जडेजा (43 रन) के विकेट गंवाए थे।

CJP का बड़ा ऐलान: सरकार पर 'धोखाधड़ी' का आरोप, 5 सितंबर को Delhi में मार्च

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध मार्च निकालने का देशव्यापी आह्वान किया है। पार्टी ने भारत सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। जबकि उन वादों के बाद ही युवाओं ने सद्भावना दिखाते हुए अपना देशव्यापी विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया था। 5 सितंबर को होने वाला यह शांतिपूर्ण मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय की ओर जाएगा।

इस मार्च का नेतृत्व NEET परीक्षा से जुड़े मामलों में जान गंवाने वाले छात्रों और पुलिस की बर्बरता के शिकार लोगों के परिवार करेंगे। इसमें देश भर से छात्रों, युवा संगठनों और युवा नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन को खत्म करने की कोशिश के तहत प्रेशर ग्रुप से किए गए वादों को पूरा करे। ऑनलाइन ग्रुप से दबाव बनाने वाले समूह में बदले इस संगठन ने केंद्र पर देश के युवाओं को धोखा देने और उनका भरोसा तोड़ने का आरोप लगाया है। CJP ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हम सरकार को पूरी पीढ़ी का अपमान नहीं करने देंगे।

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन की मांग पर तेलंगाना सरकार ने की कुम्हार कारीगरों के लिए कल्याण बोर्ड की स्थापित

* अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने इस पहल के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का किया आभार व्यक्त

* PCSF ने तेलंगाना सरकार के कुम्हार कारीगरों के लिए कल्याण बोर्ड स्थापित करने के निर्णय का किया स्वागत

मुंबई, 24 अगस्त (उत्तरशक्ति)। प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन (PCSF) ने तेलंगाना सरकार द्वारा प्रजापति / कुम्मारी (कुम्हार) कारीगरों के लिए विशेष कल्याण बोर्ड स्थापित करने के ऐतिहासिक निर्णय का हृदय से स्वागत किया है।

यह महत्वपूर्ण निर्णय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री तेलंगाना रेवंत रेड्डी को 16 जून 2026 को लिखे गए पत्र के बाद लिया गया है। जिसमें प्रजापति / कुम्मारी समुदाय के सामने आने वाली व्यावसायिक और आर्थिक चुनौतियों को उजागर किया गया था। इससे ठीक 4 दिन पहले, यानी 12 जून 2026 को, PCSF के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के AICC OBC विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल जय हिंद के नेतृत्व में PCSF के राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ राहुल गांधी से मुलाकात की थी और तेलंगाना के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी कुम्हारों और पारंपरिक कारीगरों के लिए कल्याण बोर्डों की स्थापना की मांग को लेकर विस्तृत प्रतिवेदन सौंपा था।

PCSF के अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने 19 अगस्त 2026 को दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के AICC OBC विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल जय हिंद के मार्गदर्शन में एल.सी. राठौड़, संयोजक PCSF और दुर्गा प्रसाद प्रजापति, सदस्य, PCSF एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता इलापूरम राजा (विजयवाड़ा) के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से प्रजापति/कुम्मारी (कुम्हार) कारीगरों के लिए विशेष कल्याण बोर्ड के गठन और तेलंगाना राज्य में राष्ट्रीय मृत्तिका कला उत्कृष्टता संस्थान (National Institute of Excellence in Pottery & Sculpture) की स्थापना का आग्रह किया।

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन ने लगभग 9 करोड़ की आबादी वाले प्रजापति / कुम्हार समुदाय की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए राहुल गांधी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। फाउंडेशन ने इस मामले में त्वरित और सकारात्मक कार्रवाई के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर को भी धन्यवाद दिया है।

इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए PCSF के अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने कहा, बीसी कल्याण विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में 16,801 कुम्मारी परिवार हैं। जिनकी आबादी लगभग पाँच लाख है, जो विपणन में कठिनाइयों, कम आय और रोजगार की अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। इस बोर्ड की स्थापना से न केवल व्यावसायिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि कारीगरों के लिए ब्रांडिंग, मार्केटिंग और वित्तीय सहायता भी सुनिश्चित होगी। यह युवाओं को इस पारंपरिक कला से दूर जाने से रोकने में भी मदद करेगा।

उन्होंने आगे कहा, प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन उन सभी राज्यों में जहाँ माटी कला बोर्ड अस्तित्व में नहीं है, प्रजापति/ कुम्मारी कारीगरों के लिए इसी तरह के कल्याण बोर्डों की स्थापनाय कौशल विकास, प्रौद्योगिकी उन्नयन और विपणन सहायता के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रजापति कल्याण बोर्ड के साथ-साथ एक राष्ट्रीय मृत्तिका अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के गठन और कारीगर परिवारों के लिए व्यावसायिक सुरक्षा और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए पारंपरिक मिट्टी के उत्पादों को सरकारी खरीद और एक जिला एक उत्पाद (ODOP) योजना में शामिल करने की मांग करता है।

तेलंगाना में प्रजापति/ कुम्मारी समुदाय सबसे प्रमुख पारंपरिक कारीगर समुदायों में से एक है। सदियों से इसने मिट्टी के बर्तन और टेराकोटा की प्राचीन कला को संरक्षित रखा है, जो राज्य की सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। हालांकि, व्यावसायिक सुरक्षा, विपणन सहायता, कम आय और कच्चे माल की बढ़ती लागत के अभाव के कारण बड़ी संख्या में युवा इस पारंपरिक व्यवसाय को छोड़कर अन्य श्रम कार्यों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इस संदर्भ में प्रजापति/ कुंभार के लिए विशेष कल्याण बोर्ड का गठन और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन के बारे में:

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन की स्थापना 18 अप्रैल 2024 को हुई थी और यह कंपनी अधिनियम की धारा 8 के तहत एक धर्मार्थ संगठन के रूप में पंजीकृत है। फाउंडेशन के पास 80G, 12A, CSR-1 और LEI प्रमाणपत्र हैं। इसका विजन एक आत्मनिर्भर और समृद्ध प्रजापति / कुम्हार/ कुंभार/ कुमावत/कुलाल समुदाय का निर्माण करना है जो न केवल अपने सदस्यों का सामंजस्यपूर्ण रूप से समर्थन करे बल्कि देश की प्रगति की रीढ़ भी बने। फाउंडेशन का जरूरतमंद और मेधावी छात्रों के लिए वित्तीय सहायता कार्यक्रम पूरे भारत में सक्रिय है और अब तक 64 छात्रों को सहायता प्रदान कर चुका है, जिसका मुख्य ध्यान शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और व्यापार नेटवर्किंग पर है।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

-ललित गर्ग

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दशार्ता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूवार्नुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली सवाल यह होगा कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण यान ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय की दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी नई छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

नकली दवाओं का देशव्यापी जानलेवा जाल, कब और कैसे रूकेगा ?

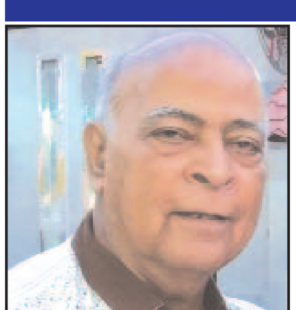

अशोक भाटिया

देशभर में कुकुरमुत्ते की तरह फैल रहा नकली और मिलावटी दवाओं का अवैध कारोबार अब महज एक सामान्य आर्थिक या संगठित अपराध नहीं रह गया है। यह सीधे तौर पर भारतीय नागरिकों के बुनियादी संवैधानिक अधिकारों, विशेषकर जीवन के अधिकार पर सबसे क्रूर और अमानवीय प्रहार बन चुका है। बीमारियाँ जब इंसान को घेरती हैं, तो वह पूर्ण समर्पण और अटूट विश्वास के साथ अपनी गाढ़ी कमाई लेकर मेडिकल स्टोर की तरफ दौड़ता है। उसे यह भ्रम होता है कि डॉक्टर के पर्चे पर लिखी गोलियां या इंजेक्शन उसके या उसके प्रियजनों के जीवन की रक्षा करेंगे। परंतु, मुनाफे की अंधी हवस में डूबे सफेदपोश अपराधियों ने आज उस पवित्र भरोसे को मौत के जाल में तब्दील कर दिया है। हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों और विशेष रूप से हरियाणा में सामने आए डरावने मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दवाओं की जालसाजी का यह मकड़जाल हमारी संपूर्ण चिकित्सा और प्रशासनिक व्यवस्था की जड़ों को भीतर ही भीतर पूरी तरह खोखला कर चुका है।

हरियाणा के औद्योगिक और आधुनिक केंद्र गुरुग्राम से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा किए गए हालिया खुलासे किसी भी संवेदनशील समाज की रूह को कंपा देने के लिए पर्याप्त हैं। गुरुग्राम में उच्च रक्तचाप जैसी आम लेकिन बेहद संवेदनशील बीमारी के इलाज के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग की जाने वाली दवा ह्यटेल्मा-एएमह्ल की भारी मात्रा में नकली खेप का पकड़ा जाना इस बात का साक्ष्य है कि रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी दवाएं भी अब सुरक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही, मधुमेह और वजन नियंत्रित करने वाले करीब 70 लाख रुपये के नकली 'मौनजारो' इंजेक्शनों के अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ होने से हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसियों ने जब इस काले साम्राज्य के धागे टटोले, तो परत-दर-परत जो हकीकत सामने आई, वह व्यवस्था को आईना दिखाने वाली है। इन नकली दवाओं के निर्माण की कड़ियाँ उत्तराखंड के रुड़की में चल रही अवैध और बिना लाइसेंस वाली फैक्ट्रियों से जुड़ी थीं। वहां से यह जानलेवा माल उत्तर प्रदेश के रास्ते दिल्ली के थोक बाजारों में पहुंचता था और बिना किसी जांच-परख या बाधा के हरियाणा के प्रतिष्ठित मेडिकल स्टोरों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के केमिस्ट काउंटरों पर धड़ल्ले से बेचा जा रहा था।

इस भयावहता की पराकाष्ठा केवल रक्तचाप या मधुमेह की दवाओं तक सीमित नहीं है। इसी के समानांतर दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और मुंबई तक फैले कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों की नकली दवाओं के अंतरराज्यीय रैकेट की हालिया गिरफ्तारियों ने इंसानियत को पूरी तरह शर्मसार कर दिया है। इस सिंडिकेट के अपराधियों द्वारा उन लाचार और अंतिम सांसें गिन रहे कैंसर मरीजों को निशाना बनाया जा रहा था, जिनके परिवार अपनी संपत्ति और गहने बेचकर लाखों रुपये के जीवनरक्षक इंजेक्शन खरीदते हैं। उन इंजेक्शनों में जीवनदायिनी औषधियों के स्थान पर केवल डिस्टिल्ड वॉटर, उबला पानी या ग्लूकोज का घोल भरकर बेचा जा रहा था। जब कोई मरीज ऐसी नकली कीमोथेरेपी दवाओं का सेवन करता है, तो दवा के बेअसर

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

रहने से उसका रोग अनियंत्रित गति से बढ़ता है और अंततः उसकी असामयिक व तड़प-तड़प कर मौत हो जाती है। यह किसी भी लिहाज से केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि ठंडे दिमाग से की गई सामूहिक और संस्थागत हत्या है। इस जघन्य कृत्य में शामिल अपराधियों को हत्यारों की श्रेणी में ही रखा जाना चाहिए।

आखिर ऐसा क्या है कि तमाम दावों और छापों के बावजूद यह धंधा देश भर में फल-फूल रहा है? इस गंभीर संकट के पीछे सबसे बड़ी वजह राज्यों की सीमाओं से परे फैला 'मल्टी-स्टेट सप्लाई चैन' का जटिल और पारदर्शी विहीन होना है। इसके साथ ही देश के दवा नियामक तंत्र की सुस्ती और भ्रष्टाचार भी इसके लिए बराबर के जिम्मेदार हैं। अपराधी बड़ी ही चतुराई से एक राज्य के दूरदराज या अनधिकृत इलाके में नकली विनिर्माण इकाई स्थापित करते हैं। वहां से दवाओं को दूसरे राज्य के बोगस या नकली बिलों के जरिए कागजी तौर पर वैध रूप दे दिया जाता है। इसके बाद, तीसरे राज्य के थोक और खुदरा बाजारों में उन्हें भारी डिस्काउंट या लालच देकर खपा दिया जाता है। हरियाणा के मामले में भी यही देखा गया कि खुदरा दवा विक्रेता कंपनियों द्वारा तय एमआरपी पर भारी छूट का लालच पाकर बिना किसी वैध सोर्स या इनवॉइस की जांच किए इन दवाओं को खरीद लेते थे और मरीजों को पूरे दाम पर बेचते थे। यह सीधे तौर पर नियामक एजेंसियों की नाक के नीचे होने वाली आपराधिक लापरवाही है। देश में ड्रग्स इंस्पेक्टरों की भारी कमी और उपलब्ध अमले की कार्यप्रणाली पर उठते सवाल इस समस्या को और अधिक जटिल बना देते हैं।

इस महामारी नुमा संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अब केवल पारंपरिक छापों, सीमित मात्रा में जब्ती और कागजी कानूनी औपचारिकता से काम नहीं चलने वाला है। यद्यपि हरियाणा सरकार और वहां के एफडीए द्वारा हाल ही में की गई 16 गिरफ्तारियां और कड़े कदम एक सराहनीय शुरूआत हैं, लेकिन विशालकाय अवैध साम्राज्य को देखते हुए यह महज 'आइसबर्ग की नोक' यानी समुद्र में तैरती बर्फ का एक छोटा सा सिरा मात्र है। इस सिंडिकेट को जड़ से उखाड़ने के लिए केंद्र और सभी राज्य सरकारों को दलगत राजनीति और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर एक ठोस राष्ट्रीय नीति के तहत युद्ध स्तर पर काम करना होगा। इसके लिए सबसे पहले पूरी दवा आपूर्ति श्रृंखला में 'ट्रैकिंग और ट्रेसिंग' को अभेद्य बनाना अनिवार्य है। देश के भीतर निर्मित या बिकने वाली हर छोटी-बड़ी दवा की पट्टी या शीशी पर एक ऐसा यूनीक, फुल-प्रूफ और अनिवार्य क्यूआर कोड या बारकोड ट्रैकिंग सिस्टम लागू होना चाहिए जो सीधे केंद्रीय डेटाबेस से जुड़ा हो। इसके माध्यम से कोई भी साधारण नागरिक अपने स्मार्टफोन से स्कैन करके तुरंत यह जान सके कि दवा असली है या नकली, उसे किस फैक्ट्री में बनाया गया है और उसका वैध बैच नंबर क्या है। तकनीक का यह लोकतांत्रीकरण ही पारदर्शिता की सबसे बड़ी गारंटी बन सकता है।

इसके साथ ही, हमारे देश के पुराने पड़ चुके कानूनी ढांचे में आमूलचूल बदलाव की महती आवश्यकता है। वर्तमान में 'औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम' के तहत मुकदमेबाजी के वर्षों तक खिंचने के कारण अपराधी आसानी से जमानत पाकर दोबारा उसी अवैध धंधे में लिप्त हो जाते हैं। समय आ गया है कि दवाओं के इस काले कारोबार को आतंकवाद के समकक्ष गंभीर अपराध माना जाए। इसके लिए देश भर में विशेष 'फास्ट-ट्रैक कोर्ट' का गठन हो, जहां छह महीने के भीतर मुकदमों का फैसला सुनिश्चित किया जा सके। नकली दवाओं के निर्माण, भंडारण और वितरण में शामिल मास्टरमाइंड से लेकर केमिस्ट तक, पूरे नेटवर्क के दोषियों के लिए बिना किसी रियायत के उम्रकैद या मृत्युदंड जैसी कठोरतम सजा का कानूनी प्रावधान होना चाहिए। साथ ही, उनकी अवैध रूप से अर्जित की गई चल-अचल संपत्तियों को तुरंत कुर्क कर उससे पीड़ितों या उनके परिवारों को मुआवजा देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। दवा विक्रेताओं की जवाबदेही तय किए बिना इस लड़ाई को जीतना असंभव है। हर छोटे-बड़े केमिस्ट और हॉस्पिटल के लिए यह कानूनी रूप से अनिवार्य होना चाहिए कि वे केवल पंजीकृत और प्रमाणित थोक विक्रेताओं से ही दवाएं खरीदें और उनका पूरा पक्का इनवॉइस रिकॉर्ड बनाए रखें। जो भी मेडिकल स्टोर बिना वैध दस्तावेजों या भारी डिस्काउंट के लालच में आकर संदिग्ध स्रोतों से दवाएं खरीदता पाया जाए, उसका लाइसेंस तुरंत और स्थायी रूप से निरस्त कर दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, उपभोक्ताओं में भी जागरूकता का प्रसार करना होगा कि वे हमेशा पक्का बिल लेने की आदत डालें और दवा की सील या पैकेजिंग में किसी भी प्रकार की विसंगति दिखने पर तुरंत स्थानीय औषधि निरीक्षक को सूचित करें। दवाएं इंसान को नया जीवन देने और पीड़ा को हरने के लिए खोजी गई थीं, उन्हें चंद सिक्कों की खातिर किसी की मौत का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता। यदि समय रहते इस राष्ट्रीय संकट पर पूरी कठोरता और ईमानदारी से काबू नहीं पाया गया, तो देश की संपूर्ण चिकित्सा और लोकतांत्रिक व्यवस्था से आम जनता का भरोसा हमेशा के लिए उठ जाएगा।

इंटरनेट का विस्फोटः अब मासूम कहां रहा बचपन, खंडित सामाजिक रिश्ते'

इंटरनेट और सोशल मीडिया आधुनिक सभ्यता की ऐसी उपलब्धियाँ हैं, जिन्होंने मनुष्य के जीवन को अभूतपूर्व गति, सुविधा और संचार की शक्ति प्रदान की है। ज्ञान, शिक्षा, सूचना, मनोरंजन और संवाद के असंख्य साधन आज हमारी उँगलियों पर उपलब्ध हैं। संसार की दूरियाँ सिमट गई हैं और दुनिया मानो एक छोटे-से गाँव में बदल गई है। लेकिन हर सुविधा का एक दूसरा पक्ष भी होता है। इंटरनेट और सोशल मीडिया का अनियंत्रित तथा असंतुलित उपयोग आज बच्चों के बचपन, पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक संवेदनाओं के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है।

आज तीन-चार वर्ष का मासूम बच्चा भी मोबाइल चलाना जानता है। माता-पिता अपनी व्यस्त दिनचर्या में बच्चे को शांत कराने के लिए मोबाइल उसके हाथ में थमा देते हैं। शुरूआत में यह सुविधा लगती है, लेकिन धीरे-धीरे मोबाइल बच्चे का सबसे प्रिय साथी बन जाता है। वह माता-पिता की गोद से अधिक मोबाइल की स्क्रीन में सुरक्षा और मनोरंजन तलाशने लगता है। बाहर खेलने, मिट्टी में उतरने, दोस्तों के साथ दौड़ने या प्रकृति को देखने की अपेक्षा उसे कार्टून, वीडियो और ऑनलाइन गेम अधिक आकर्षित करने लगते हैं। यहीं से बचपन के बदलने की कहानी शुरू होती है। एक समय था जब बच्चों की पहचान उनकी खिलखिलाती हँसी, मिट्टी से सने कपड़ों, मैदानों की दौड़, पेड़ों पर चढ़ने की जिद और दोस्तों के साथ खेली जाने वाली गुल्ली-डंडा, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी से होती थी। शाम होते ही गलियाँ बच्चों की चहचहाहट से भर जाती थीं। घरों के आँगन में कैरम, लूडो और शतरंज की बिसात सजती थी। हारने वाला रूठता था और जीतने वाला मुस्कुराता था, लेकिन थोड़ी देर बाद दोनों फिर दोस्त बन जाते थे।

आज अनेक शहरों और कस्बों की गलियाँ अपेक्षाकृत शांत हैं और बच्चों की दुनिया मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन में सिमटती जा रही है।

खेल के मैदान से स्क्रीन तक

खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं थे। वे जीवन जीने की पहली पाठशाला थे। कबड्डी बच्चों को साहस और सामूहिकता सिखाती थी, खो-खो सहयोग और अनुशासन सिखाता था, क्रिकेट धैर्य और रणनीति का अभ्यास कराता था। गुल्ली-डंडा और गिल्ली जैसे पारंपरिक खेल संसाधनों की कमी के बावजूद बच्चों को आनंद देना जानते थे।

आज ऑनलाइन गेमिंग ने इन खेलों की जगह काफी हद तक ले ली है। स्क्रीन पर जीतने की खुशी वास्तविक मैदान की खुशी जैसी नहीं होती। वास्तविक खेल में बच्चा धूप, हवा, मिट्टी, पसीने और मित्रता के बीच बड़ा होता है। वहाँ वह हारना सीखता है, फिर उठकर प्रयास करना सीखता है। डिजिटल खेलों में अक्सर प्रतिस्पर्धा अधिक तीव्र, आभासी और कई बार आक्रामक होती है।

बच्चों की शारीरिक गतिविधियाँ कम होने से मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, नींद की समस्याएँ, आँखों पर दबाव और गर्दन-पीठ से जुड़ी परेशानियों जैसी चिंताएँ बढ़ रही हैं। अत्यधिक स्क्रीन समय एकाग्रता और दिनचर्या को भी प्रभावित कर सकता है। इसलिए समस्या मोबाइल या इंटरनेट का अस्तित्व नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित उपयोग है।

मासूमियत पर आभासी दुनिया का प्रभाव

सोशल मीडिया ने बच्चों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को भी प्रभावित किया है। आभासी दुनिया में दिखाई देने वाली चमक-दमक, दिखावा, लोकप्रियता और त्वरित प्रसिद्धि बच्चों के मन में कम उम्र से ही तुलना और प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा कर सकती है।

अब बच्चा यह सोचने लगा है कि उसके कितने लाइक्स हैं, कितने फॉलोअर्स हैं और उसकी तस्वीर को कितने लोगों ने पसंद किया। बचपन की सहज मुस्कान कभी-कभी कैमरे के सामने बनाई गई कृत्रिम मुस्कान में बदलने लगती है।

वह जीवन को जीने से अधिक उसे रिकॉर्ड करने लगता है।

भोजन सामने है, लेकिन पहले तस्वीर खींची जाती है। परिवार साथ बैठा है, लेकिन बातचीत के बजाय हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन पर है। घूमने गए हैं, लेकिन प्रकृति को देखने से अधिक उसे कैमरे में कैद करने की चिंता है। धीरे-धीरे अनुभव की जगह प्रदर्शन लेने लगता है।

एक छत के नीचे, फिर भी दूर

सोशल मीडिया का सबसे गंभीर प्रभाव केवल बच्चों पर नहीं, परिवार पर भी दिखाई देता है। एक ही घर में माता-पिता, बच्चे और बुजुर्ग रहते हैं, लेकिन मानसिक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। पहले भोजन का समय परिवार के संवाद का समय होता था। दिनभर की बातें होती थीं। दादा-दादी कहानियाँ सुनाते थे। बच्चे अपने विद्यालय और मित्रों की बातें बताते थे। माता-पिता बच्चों की भावनाओं को समझते थे।

संजीव ठाकुर

आज भोजन की मेज पर भी मोबाइल उपस्थित है।

कभी घर में घंटी बजने पर पूरा परिवार उत्सुकता से उठता था कि कौन आया है। अब संदेश की सूचना आते ही व्यक्ति सामने बैठे व्यक्ति को छोड़कर दूर बैठे किसी आभासी व्यक्ति से जुड़ जाता है। रिश्ते समाप्त नहीं हुए हैं, लेकिन उनकी आत्मीयता का स्वरूप बदल रहा है। कभी चिट्ठी आने में कई दिन लगते थे, लेकिन उसमें भावनाएँ होती थीं। आज संदेश कुछ सेकंड में पहुँच जाता है, लेकिन कई बार उसमें वह आत्मीयता नहीं होती।

विशेषज्ञों की चेतावनी

मनोवैज्ञानिक जीन ट्वेंज ने अपनी पुस्तकों और शोध में स्मार्टफोन तथा सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग को किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक व्यवहार और अकेलेपन की प्रवृत्तियों से जोड़कर चर्चा की है। उनके काम ने इस बात पर व्यापक बहस को जन्म दिया है कि डिजिटल जीवन का अत्यधिक विस्तार बच्चों और किशोरों के मनोवैज्ञानिक विकास को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है। सामाजिक मनोवैज्ञानिक जोनाथन हैइट ने भी आधुनिक बचपन के स्क्रीन-केंद्रित होने और वास्तविक दुनिया के अनुभवों से दूर जाने को गंभीर सामाजिक-मानसिक चुनौती के रूप में रेखांकित किया है। उनका जोर इस बात पर है कि बच्चों को वास्तविक खेल, स्वतंत्र अनुभव और मानवीय संबंधों से जोड़ना आवश्यक है।

यूनेस्को की शिक्षा संबंधी रिपोर्टों में भी डिजिटल तकनीक को शिक्षा का उपयोगी साधन मानते हुए उसके संतुलित उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया है। तकनीक तभी लाभकारी है, जब वह सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करे, न कि बच्चे की पूरी दिनचर्या पर कब्जा कर ले।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी छोटे बच्चों के लिए स्क्रीन के उपयोग को सीमित रखने तथा पर्याप्त शारीरिक गतिविधि और नींद सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इसका मूल संदेश यही है कि बच्चों के विकास में स्क्रीन के साथ-साथ वास्तविक दुनिया के अनुभव भी अनिवार्य हैं। भारत के साइबर कानून विशेषज्ञ पवन दुग्गल लंबे समय से बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर अपराध और डिजिटल जागरूकता के प्रश्नों पर ध्यान आकर्षित करते रहे हैं। इंटरनेट ज्ञान का विशाल भंडार है, लेकिन अभिभावकीय निगरानी और डिजिटल समझ के अभाव में वही माध्यम साइबर बुलिंग, अनुचित सामग्री और अन्य ऑनलाइन जोखिमों का कारण बन सकता है।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बिल गेट्स और स्टीव जॉब्स के उदाहरण भी अक्सर दिए जाते हैं। दोनों ने अपने परिवारों में बच्चों के तकनीकी उपयोग के लिए सीमाएँ और संतुलन रखने की आवश्यकता पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की थी। इससे एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है—तकनीक बनाने वाले लोग भी उसके विवेकपूर्ण उपयोग को आवश्यक मानते हैं।

केवल बच्चे ही क्यों?

यह समस्या केवल बच्चों तक सीमित नहीं है। युवा, माता-पिता और बुजुर्ग भी सोशल मीडिया के आकर्षण में बंधते जा रहे हैं। कई बार माता-पिता स्वयं मोबाइल से अलग नहीं हो पाते और फिर बच्चे से मोबाइल छोड़ने की अपेक्षा करते हैं। बच्चे वही सीखते हैं जो वे देखते हैं। यदि माता-पिता घर लौटते ही मोबाइल में व्यस्त हो जाएँ, तो बच्चे को यह समझाना कठिन होगा कि मोबाइल से दूरी क्यों आवश्यक है। इसलिए डिजिटल अनुशासन की शुरूआत बच्चे से नहीं, परिवार से होनी चाहिए। परिवार को प्रतिदिन कुछ समय ऐसा निर्धारित करना होगा जब मोबाइल, टेलीविजन और अन्य स्क्रीन बंद हों। उस समय परिवार केवल परिवार हो—बातचीत करे, हँसे, खेले और एक-दूसरे को सुने।

समाधान दूरी नहीं, संतुलन है

इंटरनेट का विरोध समाधान नहीं है। आज शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, रोज़गार, बैंकिंग, संचार और ज्ञान के क्षेत्र में इंटरनेट अपरिहार्य है। समस्या तकनीक नहीं, उसका विवेकहीन उपयोग है। बच्चों को इंटरनेट से दूर करने के बजाय उन्हें डिजिटल अनुशासन सिखाना होगा। उन्हें समझाना होगा कि इंटरनेट ज्ञान का माध्यम है, जीवन का विकल्प नहीं। अभिभावकों को बच्चों के लिए आयु के अनुरूप सामग्री चुननी चाहिए। स्क्रीन टाइम की स्पष्ट सीमा होनी चाहिए। बच्चों को मोबाइल देकर चुप कराने की आदत से बचना होगा। उन्हें पुस्तकें पढ़ने, चित्रकला, संगीत, बागवानी, योग, तैराकी, साइकिल चलाने और खेलकूद के अवसर देने होंगे। विद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों और डिजिटल कक्षाओं तक सीमित नहीं हो सकती। खेल, संगीत, नाटक, साहित्य, प्रकृति-अध्ययन और सांस्कृतिक गतिविधियाँ बच्चे के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। सरकार और तकनीकी कंपनियों को भी बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। आयु-उपयुक्त सामग्री, अभिभावकीय नियंत्रण, साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देना होगा।

लौटाना होगा बचपन

बचपन जीवन का सबसे सुंदर और सबसे संवेदनशील अध्याय है। उसे केवल तकनीकी दक्षता की प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता। बच्चे को मोबाइल चलाना सिखाने से पहले उसे मनुष्य से प्रेम करना सिखाना आवश्यक है।

उसे बताना होगा कि हारना बुरा नहीं है, किसी को हराकर खुश होना ही जीवन नहीं है। मित्रता केवल ऑनलाइन नहीं होती। किसी के कंधे पर हाथ रखना, दुख में साथ बैठना और बिना किसी कारण हँस देना भी जीवन की बड़ी उपलब्धियाँ हैं। हमें बच्चों को फिर से मैदानों में भेजना होगा। उन्हें साइकिल चलाने देना होगा। उन्हें पेड़ की छाया में बैठना होगा। मिट्टी में खेलने देना होगा। किताब के पन्ने पलटने होंगे। दादा-दादी की कहानियाँ सुननी होंगी। परिवार के साथ भोजन करना होगा।

हमें यह तय करना होगा कि मोबाइल बच्चे के हाथ में एक साधन हो—उसका बचपन नहीं। इंटरनेट और सोशल मीडिया मानव सभ्यता की महान उपलब्धियाँ हैं। लेकिन तकनीक तभी वरदान है, जब मनुष्य उसका स्वामी बना रहे। यदि तकनीक हमारे समय, व्यवहार, संबंध और संवेदनाओं को नियंत्रित करने लगे, तो सुविधा धीरे-धीरे निर्भरता में बदल जाती है। आज हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे इंटरनेट चलाना सीखें या नहीं। प्रश्न यह है कि क्या वे इंटरनेट के साथ-साथ जीवन जीना भी सीख रहे हैं?

यदि आने वाली पीढ़ी तकनीकी रूप से दक्ष लेकिन भावनात्मक रूप से अकेली होगी, तो हमारी प्रगति अधूरी होगी। हमें ऐसी पीढ़ी चाहिए जो मोबाइल भी चला सके और मिट्टी में भी खेल सके; ऑनलाइन मित्र बना सके और पड़ोसी के घर भी जा सके; डिजिटल दुनिया को समझ सके और वास्तविक रिश्तों की गरमाहट को भी महसूस कर सके। बच्चों के हाथों से मोबाइल छीनना समाधान नहीं है, लेकिन उनके हाथों से बचपन छिन जाने देना भी स्वीकार्य नहीं। आइए, तकनीक को जीवन का सहायक बनाएँ, जीवन का स्थानापन्न नहीं। बच्चों को इंटरनेट का ज्ञान दें, लेकिन उससे पहले उन्हें प्रकृति से प्रेम करना, परिवार के साथ बैठना, मित्र बनाना, हार-जीत को स्वीकारना और खुलकर हँसना सिखाएँ। क्योंकि जिस दिन बच्चे फिर से मैदानों में लौटेंगे, गलियों में उनकी आवाज गूँजेगी, साइकिल की घंटी सुनाई देगी और आँगन में कैरम की बिसात सजेगी—उस दिन केवल बच्चों का बचपन ही नहीं लौटेगा, हमारे समाज की खोती हुई आत्मीयता भी लौटेगी।

समाज को बचाना है तो संवाद बचाइए

आज देश विकास की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ने का संकल्प ले रहा है। विज्ञान, तकनीक, संचार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में परिवर्तन दिखाई दे रहा है। हमारे हाथों में दुनिया से जुड़ने के साधन हैं, लेकिन विडंबना यह है कि अपने ही आसपास के लोगों से हमारा संवाद कम होता जा रहा है। हम पहले से अधिक बोल रहे हैं, पर एक-दूसरे को सुनने की क्षमता खोते जा रहे हैं। समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में छिपी एकता होती है। विचार अलग हो सकते हैं, आस्थाएँ अलग हो सकती हैं, जीवन जीने के तरीके अलग हो सकते हैं, लेकिन मनुष्य होने का रिश्ता सबसे बड़ा होना चाहिए। दुर्भाग्य से आज छोटी-सी असहमति भी कई बार मनभेद का कारण बन जाती है। विचारों का विरोध धीरे-धीरे व्यक्ति के विरोध में बदल जाता है और व्यक्ति का विरोध कभी-कभी सामाजिक कटुता का रूप ले लेता है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। वास्तव में स्वस्थ लोकतंत्र वही है जिसमें अलग-अलग विचारों के लिए स्थान हो। समस्या मतभेद में नहीं, बल्कि मतभेद को दुश्मनी समझ लेने में है। हमें यह समझना होगा कि किसी विचार से असहमत होना, उस विचार को रखने वाले व्यक्ति से घृणा करना नहीं है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने घरों से लेकर सार्वजनिक जीवन तक संवाद की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। परिवार में बच्चे को केवल अपनी बात मनवाना नहीं, दूसरों की बात सुनना भी सिखाया जाए। समाज में बुजुर्गों के अनुभव को बोझ नहीं, मार्गदर्शन माना जाए। युवाओं की ऊर्जा को केवल आलोचना में नहीं, रचनात्मक कार्यों में लगाया जाए। सोशल मीडिया ने संवाद को आसान बनाया है, लेकिन इसी माध्यम ने अफवाह, अधूरी जानकारी और उत्तेजना को भी बहुत तेज कर दिया है। कोई संदेश देखकर तुरंत प्रतिक्रिया देना आज सामान्य हो गया है। हम सत्य की पुष्टि करने से पहले उसे आगे बढ़ा देते हैं और कई बार अनजाने में सामाजिक तनाव को बढ़ाने का कारण बन जाते हैं।

-विक्रम दयाल

इसलिए डिजिटल युग में नागरिक जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गई है। हमें यह भी विचार करना होगा कि समाज केवल कानूनों से नहीं चलता। कानून व्यवस्था आवश्यक है, लेकिन सामाजिक शांति केवल कानून के भरोसे कायम नहीं रह सकती। उसके लिए संवेदना, संयम और परस्पर सम्मान चाहिए। यदि पड़ोसी को पड़ोसी का दुख दिखाई न दे, यदि किसी परिवार की परेशानी दूसरे परिवार को प्रभावित न करे, यदि कमजोर की पीड़ा देखकर हमारा मन विचलित न हो, तो फिर विकास के बड़े-बड़े दावे भी अधूरे रह जाएंगे। भारत की सामाजिक परंपरा ने सदियों से हमें सह-अस्तित्व का संदेश दिया है। यहां विभिन्न भाषाएँ, संस्कृतियाँ, परंपराएँ और जीवन-पद्धतियाँ साथ-साथ विकसित हुई हैं। इस विरासत की रक्षा केवल नारों से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से करनी होगी। हमें अपने बच्चों को यह बताना होगा कि भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि उसकी सामाजिक आत्मा भी है। आज सबसे बड़ा संकट शायद गरीबी, बेरोजगारी या महंगाई जितना ही आपसी विश्वास का संकट भी है। जब समाज में विश्वास घटता है तो अफवाह बढ़ती है, भय बढ़ता है और संदेह बढ़ता है। इसके विपरीत जब विश्वास मजबूत होता है तो कठिन परिस्थितियों में भी समाज एक-दूसरे का सहारा बन जाता है। इसलिए समय की मांग है कि हम बहस करें, लेकिन मयार्दा के साथ; विरोध करें, लेकिन वैमनस्य के बिना; प्रश्न पूछें, लेकिन अपमान के बिना; और अपनी बात रखें, लेकिन दूसरे की बात सुनने का धैर्य भी रखें। देश केवल संसद, सरकार, न्यायालय, बाजार और संस्थाओं से नहीं बनता। देश उन करोड़ों सामान्य नागरिकों से बनता है जो रोज अपने घर, मोहल्ले, कार्यस्थल और समाज में व्यवहार करते हैं। हमारा छोटा-सा व्यवहार भी सामाजिक वातावरण को प्रभावित करता है। आज हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम किसी अफवाह को सत्य मानकर आगे नहीं बढ़ाएंगे, किसी असहमति को दुश्मनी नहीं बनाएंगे और किसी मनुष्य को उसकी पहचान के आधार पर छोटा नहीं समझेंगे। क्योंकि अंततः समाज की मजबूती इस बात से तय नहीं होती कि हम कितनी ऊँची आवाज में बोलते हैं, बल्कि इस बात से तय होती है कि हम एक-दूसरे को कितनी संवेदना और सम्मान से सुनते हैं। देश को मजबूत बनाना है तो केवल विकास की गति नहीं, सामाजिक विश्वास भी बढ़ाना होगा। और सामाजिक विश्वास बचाना है तो संवाद बचाना होगा। आज देश को सबसे अधिक आवश्यकता शायद इसी की है—

गोवंडी के गायकवाड़ नगर नाले की सफाई न होने से बीमारी फैलने की आशंका, मनपा अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा में

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। एक तरफ केंद्र तथा राज्य सरकार की ओर ले पिछले कई वर्षों से स्वच्छ भारत अभियान चलाया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ मनपा एम पूर्व के अंतर्गत आने वाले कर्मवीर दादासाहेब गायकवाड़ नगर इलाके के बुद्धनगर नाले और सुभाष नगर नाले की साफ सफाई न किए जाने से संपूर्ण नाले में कचरे का ढेर लगा हुआ है। जिसके कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से मलेरिया बीमारी का प्रकोप बढ़ गया है ।उसके बाद भी मनपा के संबंधित अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा धारण किए हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार बरसात के शुरूवाती दौर से ही बुद्धनगर और सुभाष नगर नाले की साफ सफाई न की जा सकी है। जिसके कारण इन दोनों ही नालों में कचरे का अंबार लगा हुआ है।स्थानीय समाजसेवक जमीर तंबोली ने बताया कि बुद्धनगर नाले से सटकर दोनों तरफ झोपड़े है ।इस कारण मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण यहां आए दिन मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। वहीं मुम्बई कांग्रेस रोजगार स्वयं रोजगार विभाग के प्रदेश महासचिव डा. सत्तार खान जो कि हॉल ही में मलेरिया से ग्रसित हो गए थे। उन्होंने बताया कि बुद्धनगर और सुभाष नगर नाले में कचरे के ढेर में से पीने के पानी की जलवाहिनी डाली गई है जिसके कारण आए दिन लोगों के घरों में गंदे पानी की आपूर्ति होने की शिकायतें बढ़ है। डॉ. खान ने यह भी बताया कि इन दोनों ही नालों की साफ सफाई की जिम्मेदारी सेंट्रल एजेंसी के अधीन है। अनेक बार सेंट्रल एजेंसी के अधिकारियों को इस नाले की सफाई के बारे में अवगत भी कराया जा चुका है। किंतु नाले की साफ सफाई आज तक नहीं की जा सकी जिसके कारण बरसात के इस मौसम में यहां मलेरिया, डेंगू,वायरल फीवर निरंतर बढ़ता जा रहा है।

भिवंडी में विधि सेवा मंच का शुभारंभ, हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संदीप वी. मारणे ने किया मार्गदर्शन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। आम नागरिकों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा नवोदित वकीलों को न्यायालयीन कामकाज का व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भिवंडी में विधि सेवा मंच का शुभारंभ किया गया। अंजूरफाटा स्थित शांति चंदन ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुंबई उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संदीप वी. मारणे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर न्यायमूर्ति मारणे ने लॉ ऑफ पोजेशन यानी ताबा एवं कब्जे से संबंधित कानून पर मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वकीलों के लिए कानून का पुस्तकीय ज्ञान जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी उसकी न्यायालयीन प्रक्रिया और व्यावहारिक पहलुओं को समझना भी है। उन्होंने नवोदित वकीलों को संदेश देते हुए कहा कि करियर के शुरूआती दौर में आर्थिक आय से अधिक अनुभव, ज्ञान और न्यायालयीन प्रक्रिया की समझ को प्राथमिकता देनी चाहिए। वरिष्ठ वकीलों के मार्गदर्शन में मामलों की तैयारी, कानूनी अध्ययन और प्रभावी बहस की कला सीखने में विधि सेवा मंच महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में एडवोकेट हर्षल पाटिल, वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट विजय आगाशे सहित मंच के अध्यक्ष एडवोकेट विशाल केशव भोईर, सचिव एडवोकेट पंकज मंगेला तथा कोषाध्यक्ष एडवोकेट समीर शरद पाटील उपस्थित रहे। एडवोकेट शिरीष बोरकर, अजय पाटिल, सुनील टावरे, विशाल पाटिल, सुरेश मते, स्मिता चिपलुणकर, वैभव पाटिल और अरविंद शर्मा के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आसनगांव स्थित शिवाजीराव एस. जोंधले इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड रिसर्च की प्राचार्या डॉ. पूर्णिमा एकनाथ सुर्वे तथा विघ्नहर्ता ट्रस्ट, शिवाजीराव एस. जोंधळे नॉलेज सिटी की सचिव डॉ. स्नेहा जोंधले और संयुक्त सचिव हर्ष जोंधले के नेतृत्व में संस्थान के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए।

रक्षाबंधन केवल उपहारों का नहीं, बल्कि जीवनभर साथ रहने वाली अच्छी आदतों को साझा करने का भी पर्व है: डॉ. सोनिया दत्ता

मुंबई/पटना। रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और आपसी देखभाल का पर्व है। यह त्योहार उपहारों, मिठाइयों और पारिवारिक मेल-मिलाप की खुशियों से जुड़ा हुआ है। हालांकि, यह हमें उन छोटे लेकिन महत्वपूर्ण तरीकों की भी याद दिलाता है जिनसे परिवार के सदस्य हर दिन एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं। प्रख्यात डेंटिस्ट डॉ. सोनिया दत्ता के अनुसार, परिवार द्वारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाने वाली सबसे मूल्यवान सौगातों में से एक है अच्छी मौखिक स्वच्छता (ओरल हाइजीन) की आदत। डॉ. दत्ता ने कहा, दिन में दो बार ब्रश करना, मौखिक स्वच्छता बनाए रखना और नियमित रूप से दांतों की देखभाल जैसी अच्छी आदतें अक्सर घर से ही शुरू होती हैं। ये आदतें माता-पिता से बच्चों और बड़े भाई-बहनों से छोटे भाई-बहनों तक पहुंचती हैं। सही ओरल केयर उत्पादों के चयन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. दत्ता ने कहा कि आयुर्वेद-आधारित उत्पाद दैनिक मौखिक स्वच्छता को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं। डाबर रेड टूथपेस्ट में पुदीना सत्व की ताजगी, तोमर बीज के एंटीसेप्टिक एवं जीवाणुरोधी गुण, तथा मरिच (काली मिर्च) के पारंपरिक सफाई और जीवाणुरोधी लाभ शामिल हैं। इंडियन डेंटल एसोसिएशन की सील ऑफ एक्सेप्टेंस से मान्यता प्राप्त यह टूथपेस्ट परिवार की दैनिक मौखिक देखभाल दिनचर्या का एक भरोसेमंद हिस्सा बन सकता है।

गोदरेज एग्रोवेट का बड़ा ऐलान: एक्वा फीड बिजनेस के विस्तार और किसानों की समृद्धि के लिए नई रणनीति की घोषणा

मुंबई/पटना। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने अपने एक्वा फीड कारोबार के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भारत की अग्रणी फिश फीड कंपनियों में शामिल होने के लक्ष्य के साथ भविष्य-भविष्य-उन्मुख विकास रणनीति की घोषणा की है। इस रणनीति के तहत गोदरेज एग्रोवेट अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने के साथ-साथ नवाचार तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) को और गति देगा , ताकि मत्स्यपालन (एक्वाकल्चर) से जुड़े किसानों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले फीड समाधान उपलब्ध कराए जा सकें। कंपनी फीड कन्वर्जन रेशियो (एफसीआर) में सुधार पर विशेष ध्यान रहेगा, जिससे किसानों की उत्पादन लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और उनकी लाभप्रदता में सुधार होगा।

नमो नमो मोर्चा भारत एवं प्रारंभ प्रतिष्ठान ने कांवड़ यात्रियों की सेवा व पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) एवं बजरंग दल की ओर से अवध नगर से संजान स्थित शिव मंदिर के लिए निकाली गई पावन कांवड़ यात्रा के दौरान नमो नमो मोर्चा भारत एवं प्रारंभ प्रतिष्ठान की ओर से शिवभक्त कांवड़ यात्रियों के लिए सेवा एवं सत्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान यात्रियों के लिए जलपान, साबूदाना खिचड़ी एवं महाप्रसाद की व्यवस्था की गई। सेवा शिविर में कांवड़ यात्रियों को प्रसाद एवं जलपान वितरित करने के साथ पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। आयोजकों ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना श्रद्धा, सामाजिक दायित्व एवं सनातन संस्कारों से जुड़ा पुनीत कार्य है। कार्यक्रम के दौरान श्री श्री 108 कशीदास जी महाराज का हार पहनाकर एवं पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। उनका स्वागत सम्मान भाजपा पालघर जिला सचिव व नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने किया। वहीं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कोंकण प्रांत प्रमुख चंदन सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों का शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के साथ सेवा कार्य समाज में एकता, सहयोग एवं संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कार्यकताओं से भविष्य में भी इसी प्रकार समाजहित में सक्रिय रहने का आहवान किया। आयोजकों ने कहा कि सेवा ही संस्कार है, श्रद्धा ही शक्ति है। कार्यक्रम के अंत में भगवान भोलेनाथ से सभी कांवड़ यात्रियों की यात्रा मंगलमय एवं सफल होने की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में भाजपा पालघर शहर महिला अध्यक्ष एवं नमो नमो मोर्चा भारत जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता (सावी) मल्लाह, युवा अध्यक्ष अखिलेश चौबे, जिला संयोजक राकेश पाण्डेय, महिला मोर्चा सरचिटणीस वर्षा सोनकुसरे, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष स्नेहा ठाकूर एवं भाग्यश्री सावंत, मीडिया प्रभारी संदीप जोशी, भाजपा बोईसर मंडल सचिव एवं नमो नमो मोर्चा भारत बोईसर अध्यक्ष मानसिंह ठाकुर, देवेन्द्र सिंह तथा विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल उपाध्यक्ष सांताकुमार मल्लाह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन ने 31 विद्यार्थियों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन की ओर से ह्यप्रमोटिंग एजुकेशन 2026ह्ल पहल के तहत जिला परिषद स्कूल, मोहंडूल केंद्र वडवली में शैक्षणिक सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कक्षा पहली से चौथी तक के 31 विद्यार्थियों को स्कूल बैग, ड्रॉइंग किट, परीक्षा पैड, खिलौने और विभिन्न खेल सामग्री वितरित की गई। विद्यार्थियों के लिए अल्पाहार, भोजन व मिठाई की भी व्यवस्था की गई। अगस्त माह में जन्मदिन वाले विद्यार्थियों का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया, जिससे बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन और सहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए तीन विद्यार्थियों का ह्यएचएचएफ आदर्श विद्यार्थी पुरस्कारह्ल के लिए चयन किया गया। फाउंडेशन के रामाकांत अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। बच्चों के चेहरे की खुशी संस्था को ऐसे उपक्रम लगातार आयोजित करने के लिए प्रेरित करती है। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय शुभचिंतक उपस्थित रहे।

सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राघवेन्द्र यादव का मुंबई में भव्य स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश से मुंबई आगमन पर समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राघवेन्द्र यादव का मीरा रोड स्थित जीसीसी क्लब में पार्टी कार्यकताओं एवं समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। स्वागत समारोह में उपस्थित लोगों ने राघवेन्द्र यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया और संगठन को मजबूत करने के साथ ही पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा की। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने आगामी समय में समाज के विभिन्न वर्गों को संगठन से जोड़ने तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का संकल्प व्यक्त किया। इस मौके पर लालू यादव, डॉ. आजाद दुबे, रामचरण यादव, पंचम सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। सभी ने राघवेन्द्र यादव को मुंबई आगमन की शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूत बनाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान पार्टी की गतिविधियों, संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। राघवेन्द्र यादव ने स्वागत के लिए सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के प्रति पूरी निष्ठा और एकजुटता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

वाढवण बंदर विरोधी आंदोलन को महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस ने दिया समर्थन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। वाढवण बंदर एवं संबंधित परियोजनाओं के विरोध में वरोर, डहाणू में पिछले 20 दिनों से जारी धरना आंदोलन को महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस ने अपना समर्थन दिया है। रविवार 23 अगस्त 2026 को पालघर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैप्टन सत्यम ठाकूर, डहाणू तहसील कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा वैद्य तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता नामदेव पाटील ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने प्रस्तावित वाढवण बंदर परियोजना से उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओं, आजीविका पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव तथा जमीन, समुद्र और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े अपने अधिकारों को लेकर कांग्रेस नेताओं के समक्ष अपनी चिंताएं रखीं। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से वाढवण बंदर विरोधी आंदोलन को कांग्रेस पार्टी का ठोस समर्थन घोषित किया है। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि स्थानीय मछुआरों, आदिवासियों, किसानों, व्यापारियों एवं युवाओं की आजीविका के सवालों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर पार्टी स्थानीय जनता के साथ मजबूती से खड़ी है। कांग्रेस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले को राज्य स्तर पर उठाने के साथ ही लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तक पहुंचाया जायेगा। स्थानीय जनता के हित में आवश्यक भूमिका निभाने के लिए उनसे चर्चा करने का आश्वासन भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने दिया है। कांग्रेस ने अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए कहा कि विकास का हम विरोध नहीं करते, लेकिन स्थानीय जनता के अधिकारों, आजीविका और प्रकृति की कीमत पर होने वाला विकास हमें स्वीकार नहीं है। वाढवण बंदर विरोधी आंदोलन के समर्थन में पालघर जिला कांग्रेस कमेटी और महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूरी ताकत के साथ स्थानीय जनता के साथ खड़ी है, ऐसा कैप्टन सत्यम ठाकूर ने स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि विकास चाहिए, लेकिन जनता के अधिकारों और प्रकृति की कीमत पर नहीं।

फ्रिज में ब्लास्ट होने से पूरा घर जलकर राख - महेश गायकवाड़ ने बढ़ाया मदद का हाँथ

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के गवलीनगर, नगर-विजयनगर स्थित झ संचार सोसायटी की तीसरी मंजिल में रहने वाले सागर वारुळे के परिवार पर उस समय बड़ा संकट आ गया, जब उनके बेटे की तबीयत बिगड़ने के कारण उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसी दौरान घर में अचानक फ्रिज में ब्लास्ट होने से शॉर्ट सर्किट हो गया और घर मे आग लग जाने से घर का सारा सामान जलकर राख हो गया।

परिवार पर अचानक आई इस आपदा से गरीब परिवार के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही नगरसेवक महेश गायकवाड़ ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने सागर वारुळे परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा देते हुए उनका घर दोबारा व्यवस्थित करने की पूरी जिम्मेदारी स्वीकार की।

महेश गायकवाड़ ने कहा कि संकट की घड़ी में जरूरतमंद परिवार के साथ मजबूती से खड़ा रहना ही सच्ची मानवता और समाजसेवा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सागर वारुळे के परिवार को इस कठिन समय में हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी और उनके घर में दोबारा खुशियां एवं सुरक्षा का माहौल बनाने के लिए हर प्रयास किया जाएगा।

हिमालयिन हेल्थ एंड एज्यूकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक एवं जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हिमालयिन हेल्थ एंड एज्यूकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट, बोईसर की ओर से रविवार 23 अगस्त 2026 को यशवंत सृष्टि, बोईसर स्थित ट्रस्ट के ओपीडी क्लिनिक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस शिविर में स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कुल 282 यूनिट रक्त का संग्रह कराया।

शिविर को सायन ब्लड कम्पोनेंट्स एंड अफेरेसिस सेंटर, मुंबई का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। सेंटर की चिकित्सा टीम ने रक्तदाताओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच के बाद सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से रक्त संग्रह किया। इस दौरान रक्तदाताओं को रक्तदान के महत्व तथा जरूरतमंद मरीजों के जीवन में इसके योगदान के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक राजेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव सहित विभिन्न चिकित्सकीय परिस्थितियों में मरीजों को तत्काल रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में स्वैच्छिक रक्तदाताओं का योगदान किसी व्यक्ति के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। शिविर में ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान किया। 282 यूनिट रक्त का संग्रह ट्रस्ट के जनसेवा अभियान की उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष पी.एस. पटवाल ने कहा कि रक्तदान शिविर को मिला उत्स्फूर्त प्रतिसाद समाज में बढ़ती जागरूकता और मानव सेवा की भावना का प्रमाण है। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी नागरिकों, सायन ब्लड कम्पोनेंट्स एंड अफेरेसिस सेंटर की चिकित्सा टीम, ट्रस्ट के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट भविष्य में भी स्वास्थ्य, रक्तदान तथा अन्य जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन निरंतर करता रहेगा। शिविर के दौरान ट्रस्ट के सचिव कैलाश चंद्र पांडे, कोषाध्यक्ष डी.एस. बगड़वाल, अरुण पांडे, मनोज पांडे, बहादुर गोसाई, जे.पी. नौटियाल, जगमोहन पटवाल, महिमन सिंह, प्रमोद रावत, प्रदीप पटवाल, पीयूष बिष्ट, हर्षित बिष्ट सहित ट्रस्ट के अनेक सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला सहित अनेक मान्यवरों ने भी शिविर में उपस्थित होकर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। अंत में ट्रस्ट की ओर से सचिव कैलासचंद्र पांडे ने रक्तदान करने वाले सभी नागरिकों तथा शिविर को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

स्कूल मॅनेजमेंट से परेशान शिक्षिका - आत्महत्या का प्रयत्न

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व निवासी एक शिक्षिका ने आत्महत्या के प्रयास के लिए कथित रूप से मजबूर करने वाले उसके ही स्कूल के मैनेजमेंट के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ठाणे पुलिस आयुक्त को लिखित शिकायत दी है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि संबंधित मामले में शिकायत करने के बावजूद अब तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की,

सदमे में है पीड़ित शिक्षिका- अस्पताल में भर्ती पुलिस आयुक्त को दी गई शिकायत के अनुसार, पीडित शिक्षिका शिकायतकर्ता ज्योत्स्ना निशांत बनकर ने बताया कि 19 अगस्त को दोपहर करीब 3:30 बजे उन्होंने कथित रूप से परेशान होकर आत्म हत्या के इरादे से फिनाइल पी लिया था। इसके बाद उन्हें 4:15 बजे के आसपास कल्याण पूर्व के कोटेमानेवली स्थित भानु ज्योत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित का कहना है कि अस्पताल में उपचार के दौरान कोलसेवाड़ी पुलिस ने उनका बयान दर्ज किया, उनसे आत्महत्या का प्रयास करने के संबंध में पूछताछ की थी। लेकिन अभी तक सेंट जूड्स स्कूल के प्रिंसिपल ब्रदर इग्निशियस, सुपरवाइजर डेबोरा और शिक्षिका तृप्ती जैसे जिम्मेदार लोगो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नही की गई , इससे वह काफी दुखी है, शिकायतकर्ता शिक्षिका ने पुलिस आयुक्त से पूरे मामले की जांच कर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पूरे मामले में कितनी सच्चाई पुलिस जांच के बाद खुलासा होना बाकी है , वही इस पूरे मामले में स्कूल की तरफ से कोई जानकारी नही है।

चिचंणी का ऐतिहासिक नागेश्वर महादेव मंदिर आज भी है आस्था का प्रमुख केंद्र

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर-वाणगांव क्षेत्र में स्थित चिचंणी गांव अपने समृद्ध इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। गांव और आसपास के क्षेत्र में सातवाहन काल से जुड़े ऐतिहासिक प्रमाण आज भी देखने को मिलते हैं। अंग्रेजों के शासनकाल में चिचंणी को नगरपालिका का दर्जा प्राप्त था। समुद्र तट से सटा यह गांव आज भी अपनी ऐतिहासिक विरासत को संजोए हुए है।

स्थानीय इतिहास के अनुसार वर्ष 1738-39 के दौरान पेशवा बाजीराव के भाई चिमाजी आप्पा ने तारापुर किले पर विजय प्राप्त करने के अभियान के दौरान चिचंणी में डेरा डाला था। उस समय क्षेत्र में सैनिकों के लिए घोड़ों के उपयोग हेतु कुओं का निर्माण कराया गया तथा कई धार्मिक स्थलों का भी निर्माण हुआ। इसी ऐतिहासिक काल से जुड़ा चिचंणी का स्वयंभू नागेश्वर महादेव मंदिर आज श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। बताया जाता है कि मंदिर का निर्माण वर्ष 1739 के आसपास हुआ था। मंदिर के निर्माण से जुड़ी स्थानीय मान्यता के अनुसार, जिस स्थान पर आज नागेश्वर महादेव मंदिर स्थित है, वहां चिमाजी आप्पा के शिविर लगे हुए थे। तारापुर किले पर पुर्तगालियों का कड़ा प्रतिरोध जारी था और किले पर विजय प्राप्त करना कठिन हो रहा था। मान्यता है कि एक रात चिमाजी आप्पा के स्वप्न में भगवान नागेश्वर महादेव प्रकट हुए और उन्होंने बताया कि इसी क्षेत्र के खेत में उनकी पिंड विद्यमान है। इसके बाद सैनिकों को उस स्थान पर खुदाई करने का आदेश दिया गया। खुदाई के दौरान शिवलिंग मिलने की बात कही जाती है। चिमाजी आप्पा ने विधि-विधान से उसकी पूजा-अर्चना की।

कदम कृष्णा मेडिकल सहायता कक्ष को एनजीओ लीडर ऑफ द ईयर पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जरूरतमंद, वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को चिकित्सा उपचार के लिए सहायता, आर्थिक सहयोग और मानवीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाले मुंबई के कदम कृष्णा मेडिकल सहायता कक्ष के सामाजिक कार्यों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई है। संस्था के निरंतर सेवाकार्य को देखते हुए उसे इस वर्ष का प्रतिष्ठित एनजीओ लीडर ऑफ द ईयर 2026 पुरस्कार प्रदान किया गया। काइटक्राफ्ट प्रोडक्शन एलएलपी की ओर से आयोजित इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 के तहत यह सम्मान प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार, 22 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के होटल हयात सेंट्रिक, जनकपुरी में आयोजित किया गया। कदम कृष्णा मेडिकल सहायता कक्ष के माध्यम से आर्थिक कठिनाइयों के कारण उपचार से वंचित रहने वाले जरूरतमंद मरीजों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। उपचार का खर्च, दवाइयां तथा आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के लिए संस्था की ओर से यथासंभव सहयोग किया जाता है। संस्था की इस सेवा के माध्यम से अनेक जरूरतमंद परिवारों को सहारा मिला है और सामाजिक दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता कायम रखी गई है। एनजीओ लीडर ऑफ द ईयर 2026 पुरस्कार संस्था की निःस्वार्थ सेवा भावना और समाज के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान माना जा रहा है। यह सम्मान केवल संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्था से जुड़े पदाधिकारियों, कार्यकताओं, सहयोगियों, शुभचिंतकों और सेवाभावी लोगों के योगदान का भी गौरव है, ऐसी भावना संस्था के संस्थापक कृष्णा कदम ने व्यक्त की।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ट्रेन के सामने कूदकर अधेड़ ने दी जान, आधार कार्ड से हुई पहचान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भंडारी रेलवे स्टेशन के आउटर सिग्नल के पास सोमवार सुबह करीब आठ बजे एक अधेड़ व्यक्ति ने ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, प्लेटफॉर्म नंबर एक से लखनऊ की ओर जाने वाली सवारी ट्रेन स्टेशन से रवाना होकर आउटर सिग्नल के पास पहुंची थी। इसी दौरान रेल पटरी के किनारे खड़े अधेड़ ने अचानक ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर भंडारी जंक्शन जीआरपी के जवान पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर तलाशी ली। मृतक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान राजेश कुमार (47) के रूप में हुई। आधार कार्ड पर पता ग्राम नरगिस, थाना बतिया, सूरत, गुजरात दर्ज था।

जीआरपी के अनुसार, मोबाइल फोन से मिली जानकारी के आधार पर पता चला कि राजेश कुमार मूल रूप से पड़ोसी जनपद अंबेडकरनगर का रहने वाला था और काफी समय से सूरत में रह रहा था।

पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है। परिजन अंबेडकरनगर से जौनपुर के लिए रवाना हो चुके हैं। उनके पहुंचने के बाद पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजेगी। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पिकअप–बाइक की भिड़ंत में युवक की मौत

जपला चौराहे पर दर्दनाक हादसा

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के धनौरा ग्राम

पंचायत के जपला चौराहे के पास रविवार को पिकअप और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार बाबूलाल (23) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साढ़ू हंशलाल गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार धनौरा गांव निवासी बाबूलाल पुत्र परमेश्वर अपने साढ़ू हंशलाल पुत्र रामखेलावन, निवासी हाथीनाला, के साथ बाइक संख्या यूपी-64 बी 5395 से ससुराल से दुद्धी बाजार की ओर आ रहे थे। जपला चौराहे के पास सामने से आ रही पिकअप संख्या यूपी-64 एच 3087 से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे। बाबूलाल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि हंशलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के ग्रामीणों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

सूचना पर दुद्धी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल पिकअप को भी कब्जे में ले लिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बाबूलाल की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कस्बा प्रभारी हरिकेश आजाद ने बताया कि हादसे में एक युवक की मौत हुई है और दूसरा घायल है। पिकअप को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

27 अगस्त को पीयू में होगा 'खेलो इंडिया संवाद'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त 2026 को कुलपति प्रो. वंदना सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं मेरा युवा भारत (ट ईं१३) जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवाद–खेल की बात, पीएम के साथ' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के दिशा-निर्देशन में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ शशिकांत यादव ने कार्यक्रम के बारे में बताया कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर परिसर, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर को कैटेगरी-ए में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चुना गया है, जहाँ लाइव प्रसारण के साथ-साथ टू-वे (दो-तरफा) कम्युनिकेशन की सुविधा तथा सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बदलापुर, जौनपुर एवं महात्मा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय, गरुआ, मकसूदपुर, गाजीपुर को कैटेगरी-बी में

प्रधानमंत्री करेंगे वर्चुअल संबोधन

कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चुना गया है, जहाँ लाइव प्रसारण के साथ वन -वे (एक-तरफा) कम्युनिकेशन की सुविधा में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चुना गया है। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 11:00 बजे माननीय प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन से होगी, जिसका देशभर के जनपदों में एक साथ प्रसारण किया जाएगा । इस अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का स्वागत संबोधन तथा राष्ट्रीय खेल दिवस पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

युवा अधिकारी श्री तन्मय मोहन ने बताया कि प्रधानमंत्री के संबोधन के पश्चात कार्यक्रम स्थल पर स्थानीय खिलाड़ी के साथ मॉडरेटेड परिचर्चा, उपस्थित जनप्रतिनिधियों का संबोधन तथा युवाओं के विचार, दृष्टिकोण एवं आकांक्षाओं को जानने के लिए 15 मिनट का 'युवा संवाद' सत्र आयोजित किया जाएगा। युवा संवाद में प्रतिभागी चार प्रमुख विषयों पर अपने सुझाव रखेंगे– देश में खेल पारितंत्र को सुदृढ़ बनाना, 2036 ओलंपिक के लिए प्रतिभा विकास, शासन-व्यवस्था में युवा नेतृत्व एवं सहभागिता तथा विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना। कार्यक्रम में युवाओं को मेरा भारत पोर्टल पर पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाएगा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के ठरर कार्यक्रम अधिकारियों एवं मेरा युवा भारत के जिला संयोजकों ने जनपद के छात्र-छात्राओं, युवाओं से 27 अगस्त को आयोजित इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की है।

सखैला गांव में घर में घुसकर मां-बेटों से मारपीट, दो के खिलाफ मुकदमा

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के सखैला गांव में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर महिला और उसके तीन बेटों से मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता मीना देवी की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तहरीर के मुताबिक, 26 जुलाई की शाम मीना देवी के बेटे शिवम, शुभम और किशन शौच के लिए जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में डब्लू उर्फ पुद्दर ने उन्हें रोककर विवाद शुरू कर दिया। शोर सुनकर मीना देवी मौके पर पहुंचीं तो डब्लू उर्फ पुद्दर और अनुभव गौतम ने लाठी-डंडों से महिला और उसके बेटों के साथ मारपीट की। आरोप है कि दोनों घर के अंदर तक घुस आए और मारपीट की, जिससे सभी को चोटें आईं। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक रवि प्रकाश को सौंप दी है। पुलिस आरोपों की जांच करते हुए आगे की कार्रवाई में जुटी है।

निलंबित महिला दारोगा अनु कॉलिस ने यूट्यूब लाइव में रखा पक्ष

मेरठ (उत्तरशक्ति)। आपत्तिजनक रील वायरल होने के बाद निलंबित की गई यूपी पुलिस की महिला दारोगा अनु कॉलिस ने यूट्यूब लाइव के जरिए अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि वह फेमिनिस्ट हैं और अपनी पसंद के कपड़े पहनने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने सवाल किया कि उनके कपड़े पहनने से किसी को क्या परेशानी है। अनु कॉलिस ने कहा कि वह कई दिनों से कमरे में बंद हैं और मानसिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने लाइव के दौरान आत्महत्या के विचार आने की बात भी कही। साथ ही दावा किया कि उनके पहनावे से उनके पिता को कोई परेशानी नहीं है, ऐसे में दूसरों को आपत्ति क्यों है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुलिस विभाग की छवि धूमिल नहीं की है और वह किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि 16 अगस्त को पुलिस आचरण नियमावली के उल्लंघन के आरोप में अनु कॉलिस को निलंबित किया गया था। वह 2023 बैच की यूपी पुलिस की दारोगा हैं और निलंबन से पहले एसएसपी कार्यालय में तैनात थीं। मामले की जांच एसपी क्राइम अवनीश कुमार कर रहे हैं।

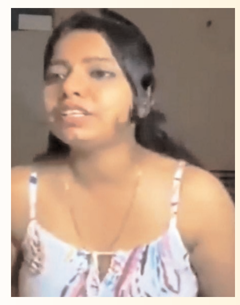

महिला के पेट से निकला 3 किलो से अधिक का ट्यूमर, तीन घंटे चला जटिल ऑपरेशन

डॉ.इम्तियाज अहमद

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर स्थित विद्या मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने जटिल ऑपरेशन कर एक महिला के पेट से 3 किलो से अधिक वजन का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल लिया। बताया गया कि ट्यूमर नसों, किडनी और आंत से चिपका हुआ था, जिसके चलते ऑपरेशन काफी चुनौतीपूर्ण था। करीब तीन घंटे तक चले ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की टीम ने सावधानीपूर्वक ट्यूमर को अलग कर बाहर निकाला। सफल ऑपरेशन के बाद महिला की हालत सामान्य बताई गई है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, चिकित्सकों की सतर्कता और टीमवर्क से यह जटिल सर्जरी सफल हो सकी।

सिपाही पति पर पत्नी–बच्चों को छोड़ दूसरी महिला संग रहने का आरोप, महिला थाने में मुकदमा

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। एक महिला ने अपने सिपाही पति पर उसे और दो बच्चों को छोड़कर दूसरी महिला के साथ रहने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि पति ने कई महीनों से घर का खर्च देना बंद कर दिया है, जिससे

बच्चों की स्कूल फीस तक जमा नहीं हो पा रही है। पीड़िता बिंदु के मुताबिक, वर्ष 2010 में उसकी शादी गाजीपुर निवासी सुनील कुमार यादव से हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। महिला का आरोप है कि पति वर्तमान में बेलीपार थाने में डायल-112 पर तैनात है और दूसरी महिला के साथ रह रहा है। पीड़िता ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी के निर्देश पर महिला थाने में पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर दोनों पक्षों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट ने धूमधाम से मनाई हरियाली तीज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हरियाली तीज के अवसर पर अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट परिवार की ओर से शहर के एक लॉन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान शिव-पार्वती और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना से हुई। मुख्य अतिथि डॉ. शकुंतला यादव, डॉ. स्वाति यादव, डॉ. शैली निगम, रीता जायसवाल, बबीता सिंह, पायल किन्नर और राधिका सिंह ने पूजन किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हरे रंग के परिधान पहनकर पारंपरिक तरीके से हरियाली तीज मनाई और पति की दीघार्यु की कामना की। महिलाओं ने भोले बाबा के भक्ति गीतों के साथ कजरी गीत प्रस्तुत किए, जिससे माहौल भक्तिमय और खुशनुमा हो गया।

ट्रस्ट की ओर से महिलाओं को पान खिलाकर पुरानी परंपरा निभाई गई। किन्नर समिति की ओर से प्रस्तुत नृत्य ने कार्यक्रम में उत्साह भर

दिया। महिलाओं ने भी जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम में शामिल सुहागिन महिलाओं को ट्रस्ट परिवार की ओर से सिंदूर, बिंदी, मेहंदी, चूड़ियां सहित अन्य श्रृंगार सामग्री भेंट की गई।

कार्यक्रम में डॉ. शुभा सिंह, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. माया सिंह, डॉ. अलकेश्वरी सिंह, डॉ. ममता दुबे, वंदना सरकार, डॉ. अंजना श्रीवास्तव, मीरा अग्रहरि, नीलम मिश्रा, सरोज गुप्ता, क्षमा सिंह, पूनम सिंह, रेखा सिंह, राखी सिंह, किरण सिंह, अंजू सिंह, गीता दुबे, नेहा सिंह, रिचा सिंह, अर्चना सिंह, प्रीति गुप्ता, रजनी साहू, सरिता सिंह, रेखा मिश्रा, रेनू गुप्ता, स्वप्निल श्रीवास्तव, शालिनी सिंह, भारती श्रीवास्तव और चंदा जायसवाल सहित विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, शिक्षक, चिकित्सक एवं व्यापारी वर्ग की महिलाएं तथा किन्नर समाज के लोग मौजूद रहे।

हक पर होने के बावजूद माफी मांगना बड़प्पन: मौलाना वसीम

तारापुर में जलसा सीरतुन्नबी मदहे सहाबा का आयोजन, रातभर जुटे रहे अकीदतमंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के मोहल्ला तारापुर में रविवार की रात अंजुमन बागे रसूल की ओर से 9 रबीउल अव्वल के अवसर पर

जलसा सीरतुन्नबी मदहे सहाबा का आयोजन किया गया। जलसे में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की।

मुख्य वक्ता मौलाना वसीम अहमद शेरवानी ने कहा कि जो व्यक्ति हक पर होने के बावजूद झुककर सुलह कर ले, वह जन्नती होता है। दूसरों से सुलह करना और नरमी से पेश आना बड़प्पन की निशानी है। उन्होंने कहा कि अमानत की पूरी तरह हिफाजत करना और उसे उसके हकदार तक पहुंचाना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की परवरिश हलाल कमाई से करने, उन्हें नमाजी बनाने और दुनिया की शिक्षा के साथ आखिरत की तैयारी पर भी ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पड़ोसी का ख्याल रखना भी इंसान की जिम्मेदारी है।

मौलाना आफाक अहमद ने सूरह फातिहा के मायने बताते हुए कहा कि जो इंसान अल्लाह के बताए रास्ते पर चलता है, वह कामयाब होता है। हाफिज जफर और मौलाना आरिफ ने भी संबोधित किया।

नातख्वानों ने बांधा समां- जलसे में जनपद के कई मशहूर नातख्वानों ने भी शिरकत की। निजामत कर रहे नातख्वां यामीन जौनपुरी ने नात प्रस्तुत कर लोगों की वाहवाही लूटी। इसके बाद एहसान और हाफिज सेराज ने अपनी नात पेश की, जिस पर अकीदतमंद झूम उठे।

मुल्क की अमन-तरक्की के लिए दुआ- जलसे के समापन पर देश में अमन, खुशहाली, तरक्की और आपसी भाईचारे की दुआ की गई। आयोजन को सफल बनाने में दिलशाद अहमद, इकबाल अहमद, जावेद अंसारी, इरशाद अंसारी, महताब सहित आयोजन समिति के सदस्यों ने सहयोग किया।

राष्ट्रगान के अपमान के आरोप में कांग्रेसियों ने विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ दी तहरीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उन्नाव में कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान के बीच विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के मंच से नीचे उतरकर चले जाने के कथित मामले को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने विरोध जताया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह और शहर अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में कार्यकताओं ने कोतवाली पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक अनीता सिंह को प्रार्थना पत्र सौंपा और एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रगान देश की शान और सम्मान का प्रतीक है। इसका अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई की मांग की। वहीं शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि राष्ट्रगान का अपमान देश के सम्मान से जुड़ा मामला है।

खबर लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। कांग्रेस कार्यकर्ता मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर कोतवाली परिसर में डटे रहे। इस दौरान राकेश मिश्रा, लाल प्रकाश पाल, शहनवाज मंजूर, देवराज पांडेय, फैयाज हाशमी, इरशाद खान, कृष्णचंद निषाद, अरविंद यादव, चंद्रभान सिंह, वैश खान, इस्तेखारुल प्रधान, मुहम्मद ताहिर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जियो टावर से लाखों के उपकरण चोरी, पुलिस जांच में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के मुफ्तीगंज चौकी अंतर्गत गद्दीपुर गांव में जियो टावर से लाखों रुपये के उपकरण चोरी होने का मामला सामने आया है। चोर टावर से दो रेक्टीफायर और तीन बैटरी मॉड्यूल चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर टेक्नीशियन ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद चौकी प्रभारी को लिखित तहरीर देकर चोरी की घटना से अवगत कराया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाने के साथ ही चोरों का सुराग लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद टावर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

केरारकोट बलुआ घाट में सादगी और अकीदत से मनाया गया जशने ईद मिलादुन्नबी

दिखावे से दूर रहकर नीयत को पाक रखें: मौलाना वसीम शेरवानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के मोहल्ला केरारकोट स्थित बलुआ घाट पर रबीउल अव्वल के मुकद्दस

महीने में पुरानी रिवायत के अनुसार जश्ने यौमुन्नबी व मदहे सहाबा का आयोजन किया गया। अनवारूल हक गुड्डू की सरपरस्ती में आयोजित जलसे में बड़ी संख्या में स्थानीय अकीदतमंदों ने शिरकत की।

मुख्य वक्ता मौलाना वसीम शेरवानी ने पैगंबर-ए-इस्लाम की तालीमात पर रोशनी डालते हुए कहा कि इस्लाम सादगी और पाकीजा नीयत का मजहब है। इंसान के ईमान और उसके अमाल का दारोमदार उसकी नीयत पर होता है। उन्होंने कहा कि समाज में सुधार के लिए नेक काम किए जाएं, लेकिन उनमें दिखावा या रियाकारी नहीं होनी चाहिए।

जलसे के दौरान विभिन्न अंजुमनों ने रसूल-ए-पाक की शान में नात पेश की। देर रात तक चली नूरानी महफिल में अकीदतमंद मौजूद रहे।

इस अवसर पर मरकजी सीरत कमेटी के सदर ओबैदा शिराजी खान, सेक्रेटरी इम्तियाज अहमद रज्जु, शहजादे, शम्स तबरेज, राजा नवाब, रियाजुल हक, ताज मोहम्मद, एडवोकेट नूरुद्दीन मंसूरी, समाजसेवी अकरम मंसूरी, कमालुद्दीन अंसारी, अंसार इदरीसी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

बदहाल स्टेशन रोड का व्यापार मंडल अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

जिलाधिकारी से मिलकर सड़क निर्माण की मांग करूंगा, मुख्यमंत्री को भी लिखूंगा पत्रः घनश्याम जायसवाल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय लोगों के आग्रह पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के केराकत तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने केराकत नए चौराहे से रेलवे स्टेशन तक जाने वाली बदहाल स्टेशन रोड का निरीक्षण किया। सड़क जगह-जगह टूटकर गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे राहगीरों, दुकानदारों, वाहन चालकों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

घनश्याम जायसवाल ने कहा कि स्टेशन रोड से प्रतिदिन हजारों यात्रियों के अलावा सरकारी अस्पताल, स्टेट बैंक, विकास खंड कार्यालय, विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में आने-जाने वाले लोगों का आवागमन होता है। सड़क की खराब स्थिति के कारण

पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि सड़क की बदहाली को लेकर वह जल्द ही जिलाधिकारी जौनपुर से मिलकर समस्या से अवगत कराएंगे।

साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर सड़क का तत्काल निर्माण कराने की मांग करेंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि सड़क निर्माण के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

नाला–नाली की सफाई की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण, एडीएम ने दिया आश्वासन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन विकासखंड के ग्राम पंचायत इमामपुर में जलनिकासी की समस्या को लेकर ग्रामीण सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित धरना स्थल पर धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने गांव के मुख्य मार्ग के किनारे स्थित सरकारी नाले की तत्काल सफाई, निर्माण और जर्जर पक्की नाली की मरम्मत कराने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि शांति शिक्षण संस्थान से इमामपुर (भिखारीपुर तिरमुहानी) होते हुए इमामपुर बॉर्डर पुलिया तक जाने वाला नाला लंबे समय से मिट्टी और अन्य पदार्थों से पटा हुआ है। वहीं, मुख्य मार्ग से राम जानकी मंदिर के आगे जुम्मन के पाही तक बनी पक्की नाली भी जर्जर होकर जगह-जगह टूट चुकी है। इससे बरसात का पानी नाले में नहीं पहुंच पा रहा है और

जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

धरने की जानकारी मिलने पर ADM (F.R) परमानंद झा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने ग्रामीणों को तत्काल कार्रवाई का आश्वासन देते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को नाला सफाई और नाली निर्माण एवं मरम्मत की दिशा में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

एडीएम ने मौके पर टीम गठित कर जांच कराने और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई।

ग्रामीणों के अनुसार इस जलनिकासी व्यवस्था से इमामपुर के अलावा शेखपुर, अशरफपुर, ताजूपुर, संजरपुर, जंजीरगंज और भिखारीपुर समेत आसपास के कई गांवों का बरसाती पानी होकर गोमती नदी तक जाता है। नाला और नाली की सफाई नहीं होने से बरसात के दौरान ग्रामीणों के घरों में गंदा पानी घुसने की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से पुराने आराजी नंबर 125 के नए नंबर 249 व अन्य संबंधित नाले की तत्काल सफाई, नाला निर्माण तथा पक्की नाली की मरम्मत कराने की मांग की है। धरने में सुजीत वर्मा (एडवोकेट) सहित ग्राम पंचायत इमामपुर के कई ग्रामीण मौजूद रहे।

मिठाईयों की गुणवत्ता जांच हेतु लिए गए 5 नमूने

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने अवगत कराया है कि आगामी रक्षाबन्धन त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश के अनुपालन में मिलावटी खाद्य/पेय पदार्थो के भण्डारण/विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से आमजनमानस को गुणवत्तपूर्ण खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने हेतु मिलावटी खाद्य पदार्थो के विरूद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है।

उक्त अभियान के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा किये जा रहे प्रवर्तन कार्यवाही के क्रम में 24 अगस्त 2026 को निम्नलिखित जनहित में निम्नलिखित नमूनें संग्रहीत किये गये- शाहगंज रोड कुत्तूपुर, जौनपुर स्थित कनक स्वीट्स से खाद्य पदार्थ छेना मिठाई का 01 नमूना संग्रहीत किया गया।

शाहगंज रोड कुत्तूपुर, जौनपुर स्थित आकाश मिष्ठान भण्डार से खाद्य पदार्थ बर्फी का 01 नमूना संग्रहीत किया गया। कुत्तूपुर तिराहा जौनपुर स्थित मौर्या स्वीट हाउस, से खाद्य पदार्थ छेना मिठाई का 01 नमूना एवं खाद्य पदार्थ मिल्क केक का 01 नमूना संग्रहीत किया गया। भलुवाही बदलापुर जौनपुर स्थित संतोष स्वीट्स एण्ड रेस्टोरेन्ट, से खाद्य पदार्थ बर्फी का 01 नमूना संग्रहीत किया गया।

इस प्रकार उक्त अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार जायसवाल के नेतृत्व एवं निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण द्वारा जनपद के विभिन्न क्षेत्रो में प्रवर्तन कार्यवाही करते हुये दुग्ध उत्पाद से निर्मित विभिन्न मिठाईयों के गुणवत्ता जांच हेतु कुल 05 नमूने संग्रहित किये गये।

नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, तत्सम्बन्धी विनियमावली 2011 के अन्तर्गत नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

स्व. भागीरथी बिंद की आत्मा के शांति हेतु श्रद्धांजलि व शोक सभा 1 सितंबर को

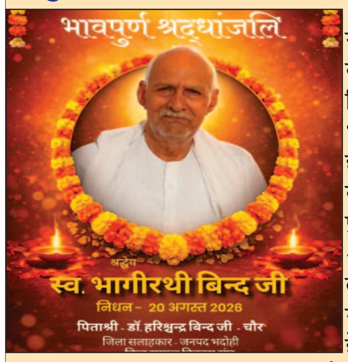

भदोही, (उत्तरशक्ति)। आप सभी सर्व समाज के शुभचिंतकों को सूचित किया जाता है कि बिंद समाज विकास संघ के भदोही जिला सलाहकार डॉ हरिश्चंद्र बिंद ,ग्राम सभा, चौर बौरीबोझ अभोली भदोही उत्तर प्रदेश के भागीरथी बिंद का 20 अगस्त दिन गुरुवार को शाम लगभग 8:30 बजे स्वर्गवास हो गया है। उनकी आत्मा के शांति हेतु हिंदू रीति रिवाज के विधि अनुसार बाल मुंडन 29 अगस्त को और श्रद्धांजलि एवं शोक सभा का आयोजन 1 सितंबर 2026 दिन गुरुवार को सुबह 11:00 से शाम 5:00 तक उनके निजी आवास, ग्राम सभा चौर, बौरीबोझ , अभोली, भदोही में आयोजन किया गया है। समाज के शुभचिंतकों से अपील किया है कि पहुंचकर मृतक की आत्मा को शांति हेतु शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा न्यू उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित करें। शोकाकुल परिवार डॉ हरिश्चंद्र बिंद, मुंशीलाल बिंद, विजय भान (मुखिया) शिवलाल, अजय, गौरव कुमार, अंकुश, योगेश, महेश, डॉ राम शिरोमणि (बाबा)।

विश्व हिंदू परिषद की प्रखंड अध्यक्ष बनी अंजू सिंह

प्रतापगढ़। अंजू सिंह को विश्व हिंदू परिषद के आसपुर देवसरा प्रखंड का अध्यक्ष बनाए जाने पर अनेक लोगों ने खुशी जाहिर की है। रामगंज के नगराध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि श्रीमती अंजू सिंह को प्रखंड अध्यक्ष बनाए जाने से सनातन विचारधारा को और ताकत मिलेगी तथा संगठन का व्यापक विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि अंजू सिंह ने हमेशा अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन समर्पित भावना के साथ किया है। उनके नेतृत्व में आसपुर देवसरा प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद को नई ताकत मिलेगी।

सरकारी नीतियों का सोशल मीडिया पर विरोध पड़ा भारी,शाहगंज के लेखपाल अशोक यादव निलंबित

बारा गांव में तैनाती के दौरान सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर उच्चाधिकारियों ने की कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील क्षेत्र में तैनात लेखपाल अशोक यादव को सोशल मीडिया पर सरकार की नीतियों के विरोध में कथित तौर पर पोस्ट करने के मामले में निलंबित कर दिया गया है। अशोक यादव क्षेत्र के बारा गांव में लेखपाल के पद पर तैनात थे। बताया जा रहा है कि सरकारी सेवा में रहते हुए उनके द्वारा सोशल मीडिया पर सरकार की नीतियों के खिलाफ खुलकर विरोध जताया जा रहा था। मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई की गई और लेखपाल अशोक यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन की कार्रवाई के बाद तहसील प्रशासन में भी हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी कर्मचारी के रूप में सेवा आचरण से जुड़े नियमों का पालन करना अनिवार्य है। मामले में विभागीय जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुरः संदिग्ध परिस्थितियों में महिला गंभीर रूप से झुलसी, वाराणसी रेफर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के प्रेमपुर गांव में सोमवार सुबह करीब 45 वर्षीय महिला संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर रूप से झुलस गई। गंभीर हालत में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। बताया गया कि प्रेमपुर निवासी आशा देवी पत्नी अखिलेश कुमार मौर्या घर में झुलसी अवस्था में मिलीं। परिजनों ने किसी तरह आग की लपटों से बचाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार महिला करीब 90 प्रतिशत झुलसी है। परिजनों की ओर से बताया गया कि महिला बाथरूम में नहाते समय झुलसी है। वहीं, उसके शरीर से पेट्रोल जैसी गंध आने की बात भी सामने आई है, जिससे घटना को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। घटना की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हैंड पाइप पर नहाते समय आकाशी बिजली की चपेट में आकर महिला की मौत हो गई। जिसके चलते परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि खेतासराय थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव निवासी नगीना देवी उम्र लगभग 35 वर्ष पत्नी रामवृक्ष सोमवार तीसरे पर घर के पास हैंड पंप पर बैठकर नहा रही थी। उसी समय बारिश के साथ गरजती आकाशीय बिजली के गिरने से वह चपेट में आ गई जिससे गंभीर रूप से झुलस ने के साथ अचेत हो गई। परिजन उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया।

जौनपुरःगौशालाओं की व्यवस्थाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय में पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक हुई। डीएम ने 100 से कम गोवंश वाली गौशालाओं को नजदीकी बड़ी गौशालाओं या संरक्षण केंद्रों से जोड़ने के निर्देश दिए। सभी गौशालाओं में बिजली, प्रकाश, स्वच्छ पानी, अलग चारा पात्र और कमजोर व बुजुर्ग गोवंश के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने गोवंश का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, लंपी वायरस से बचाव के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण और जलभराव से बचाव के इंतजाम करने के निर्देश दिए। गौशालाओं में लगाए गए पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाने तथा एनजीओ व एफपीओ द्वारा संचालित गौशालाओं की नियमित निगरानी पर भी जोर दिया। डीएम ने स्पष्ट कहा कि गोवंश संरक्षण और गौशालाओं की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ ध्रुव खाड़िया समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सावन के अंतिम रविवार को स्वादिष्ट भंडारे का आयोजन

लोहार्गल। शेखावाटी के प्रसिद्ध तीर्थस्थल लोहार्गल में सावन माह के दौरान आने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए जगह-जगह चाय-पानी एवं पंगत प्रसादी का आयोजन किया जाता रहा है। सावन के अंतिम रविवार को भगवान भोलेनाथ के भक्तों की सेवा में गणेश मंदिर परिसर में स्वादिष्ट दहीबड़ा एवं चटपटे कांजी बड़े का विशेष भंडारा आयोजित किया गया। सुबह से शुरू हुआ भंडारा शाम करीब पांच बजे तक निरंतर चलता रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांवड़ियों, श्रद्धालुओं और राहगीरों ने यहां रुककर प्रसादी का आनंद लिया। समिति के संरक्षक डॉ. राजेंद्र कुमावत ने बताया कि लोहार्गल के मुख्य मार्ग पर स्थित विशाल गणेश मंदिर की देखरेख प्रगतिशील कुमावत समिति द्वारा की जाती है। मंदिर परिसर में बना विश्राम स्थल यात्रियों एवं कांवड़ियों के ठहरने के लिए सुविधायुक्त है। इसी कारण सावन माह में यहां सेवा और भंडारों की विशेष रौनक देखने को मिलती है। उन्होंने बताया कि सोनी परिवार द्वारा प्रत्येक सावन रविवार को चाय-नाश्ता एवं पंगत प्रसादी की व्यवस्था की जाती रही है, जबकि अन्य श्रद्धालु भी अपनी आस्था के अनुसार भंडारा और नींबू पानी आदि की सेवा करते हैं। समिति से जुड़े रामावतार पारमुवाल ने बताया कि सावन के अंतिम रविवार का विशेष भंडारा लक्ष्मणगढ़ मंडली की ओर से आयोजित किया गया। मंडली द्वारा यह दूसरा भंडारा था, जिसमें पप्पू सैनी, बबलू हलवाई, सुवालाल सैन, राजकुमार सैन, विकास शर्मा, सत्यनारायण सैनी, मनीष सैनी एवं पप्पू शर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रगतिशील कुमावत समिति के फूलचंद लुहानीवाल, सोनाराम कुमावत, शेखरचंद मरेठियां, राजेंद्र कुमावत एवं सीताराम घोड़ेला सहित कई लोगों ने उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं की सेवा की।

शिक्षक नेता सुजीत सोनकर ने कराया रुद्राभिषेक, गरीब बच्चों के शिक्षा के साथ लोककल्याण की कामना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्राथमिक विद्यालय अशरफपुर उसरहटा के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक नेता सुजीत सोनकर ने सुक्खीपुर स्थित पूजा हॉस्टल में सपरिवार रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन कर क्षेत्र, शिक्षकों, गरीब विद्यार्थियों और समाज के कल्याण की कामना की गई। इसके बाद भंडारे का कार्यक्रम चला। इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद विद्यासागर सोनकर समेत तमाम गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर सुजीत सोनकर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना भी है। शिक्षक समाज को दिशा देने का कार्य करता है। इसलिए शिक्षकों के जीवन में सेवा, संस्कार, नैतिकता और लोककल्याण की भावना का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा और महापुरुषों के आशीर्वाद से आज सपरिवार रुद्राभिषेक कराया गया। उनकी कामना है कि भगवान शिव की कृपा सभी शिक्षक भाइयों-बहनों, विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर बनी रहे तथा समाज में सुख, शांति और सद्भाव कायम हो। सुजीत सोनकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से समाज में सेवा, संस्कार और परस्पर सहयोग की भावना को भी मजबूत किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजन कर समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की। रुद्राभिषेक के पश्चात प्रसाद वितरण भी किया गया।

अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को सौंपा ज्ञापन

-रमेश प्रजापति

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज के प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से मुलाकात कर समाज की प्रमुख मांगों को लेकर सामाजिक ज्ञापन सौंपा। समाज के प्रमुख मांगों एवं समस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने लोकप्रिय शिवसेना नेता विक्रमप्रताप सिंह के माध्यम से परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से मुलाकात की और समाज की विभिन्न मांगों को उनके समक्ष रखा। इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने समाज की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि जल्द ही संबंधित विषयों को लेकर एक बैठक आयोजित कर चर्चा की जाएगी तथा आगे की आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रस्ताव प्रेषित किया जाएगा। इस मुलाकात के दौरान अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज के संस्थापक-राष्ट्रीय मुख्य महासचिव रमेश प्रजापति, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेन्द्र वर्मा, राष्ट्रीय संस्थापक सदस्य सुरेश प्रजापति, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी चंदन महाकाल, सुरेश प्रजापति, सिकंदर प्रजापति सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा दिए गए सकारात्मक आश्वासन के लिए आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि समाज की प्रमुख मांगों पर जल्द ही सकारात्मक कार्रवाई होगी।

हरे परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन मिलन समारोह में बिखेरी खुशियां, गीत-संगीत और खेलों का रहा आकर्षण

पटना। बिहार प्रदेश जयसवाल सर्ववर्गीय महिला महासभा के बैनर तले दिनकर गोलंबर स्थित पॉपुलर रेजीडेंसी, पटना में जयसवाल परिवार सावन मिलन समारोह का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। सावन के रंग में रंगी इस विशेष संध्या में जयसवाल समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महिलाएं हरे रंग के आकर्षक परिधानों में सुसज्जित होकर पहुंचीं और पूरे परिसर में सावन की हरियाली व उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम, गीत-संगीत और खान-पान की विशेष व्यवस्था की गई थी। सावन के पारंपरिक गीतों और मधुर धुनों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला महासभा की अध्यक्ष रेखा जयसवाल, कोषाध्यक्ष प्रियंका जयसवाल एवं महासचिव कुमुद जयसवाल ने कार्यक्रम के आयोजन और व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी पदाधिकारियों ने कहा कि सावन मिलन जैसे आयोजन महिलाओं को आपस में जुड़ने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और पारिवारिक एवं सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। समारोह में प्रदेश अध्यक्ष सहित जयसवाल समाज के अन्य पुरुष सदस्य भी उपस्थित रहे और उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सावन मिलन की खुशियों को साझा करते हुए आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

रुपये के विवाद में भागे दो युवक आए ट्रेन की चपेट में- एक का पंजा कटा

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। सूरजकुंड फ्लाईओवर के नीचे शनिवार शाम रुपये के लेन-देन को लेकर हुए विवाद के बाद रेलवे ट्रैक की ओर भागे दो युवक ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गए। गोलू (18) के बाएं पैर का पंजा कट गया, जबकि अयाश (18) के सिर और सीने में गंभीर चोट आई है। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जीआरपी ने तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फ्लाईओवर के नीचे पीपल के पेड़ के पास नदीम, शमशाद अंसारी, अकबर, अयाश और गोलू के बीच रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। मामला बढ़ने पर अयाश और गोलू रेलवे लाइन की ओर भागने लगे। शाम करीब छह बजे दोनों ट्रैक पर पहुंचे, तभी ट्रेन आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से अयाश दूर जा गिरा, जबकि गोलू पटरी के बीच गिर गया। ट्रेन के पहिए की चपेट में आने से उसका बायां पंजा कट गया। अयाश ने घायल होने के बावजूद गोलू को ट्रेन गुजरने तक पटरी पर ही पड़े रहने के लिए चिल्लाकर कहा। इससे उसकी जान बच गई। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर जीआरपी और तिवारीपुर पुलिस पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं, हिरासत में लिए गए तीन युवकों में एक के चेहरे पर चोट के निशान भी मिले हैं। जीआरपी इंस्पेक्टर अनुज कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पांच युवकों के नशे में होने और रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद की बात सामने आई है। घायल गोलू का भाई शमशाद अंसारी भी विवाद में शामिल था। वह गोलू को रोकने के लिए उसके पीछे दौड़ा था। इसी दौरान दोनों युवक ट्रेन की चपेट में आ गए।

पिछली बार से ज्यादा सीटें जीतेंगे : जगदीश पटेल

राष्ट्रीय सचिव व यूपी सह प्रभारी के पहली बार काशी पहुंचने पर भव्य स्वागत, ढोल-नगाड़ों के बीच कार्यकताओं ने की पुष्पवर्षा

सुरेश गांधी

वाराणसी। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी जगदीश पटेल के पहली बार काशी पहुंचने पर सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। एयरपोर्ट से सर्किट हाउस तक जगह-जगह ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के बीच उनका अभिनंदन हुआ। एयरपोर्ट तिराहा, केजे होटल, महादेव वाटिका, सातो महुआ, तरना पुल, शिवपुर और संत अतुलानंद तिराहे पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरपोर्ट पर प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल, क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया, राज्यमंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, हंसराज विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष राम सकल पटेल, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, महापौर अशोक तिवारी समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सर्किट हाउस में अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए जगदीश पटेल ने कहा कि काशी में किसी नए कार्य की शुरूआत बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद के बिना नहीं होती। सह प्रभारी का दायित्व मिलने के बाद पहली काशी यात्रा में बाबा विश्वनाथ और काल भैरव का दर्शन उनके लिए सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रेम, स्नेह और ऊर्जा ने उन्हें नई प्रेरणा दी है। आगामी विधानसभा चुनाव पर उन्होंने स्पष्ट लक्ष्य सामने रखा। कहा कि संगठन पूरी ताकत से चुनाव की तैयारी कर रहा है और पिछली बार प्रदेश में भाजपा ने जितनी सीटें जीती थीं, इस बार उससे कहीं ज्यादा सीटें जीतकर आएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करने का आह्वान किया। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण है। पिछले 12-13 वर्षों में काशी को 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं मिली हैं। अब कार्यकर्ताओं को जनता और संगठन के प्रति अपना दायित्व निभाते हुए इसका सकारात्मक प्रतिफल देना होगा। क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने कहा कि जगदीश पटेल ने बूथ स्तर से राजनीतिक सफर शुरू किया और अपनी कुशल संगठन क्षमता, समर्पण और मेहनत के बल पर राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश सह प्रभारी तक पहुंचे। कार्यक्रम का संचालन अनिल श्रीवास्तव ने किया और धन्यवाद महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने दिया। काशी आगमन के दौरान पटेल ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन कर संगठन के नए दायित्व के लिए आशीर्वाद लिया।

भांडुप में भव्य कजरी महोत्सव में बही उत्तर भारतीय संस्कृति की बयार

मुंबई। संदेश फाउंडेशन परिवार एवं भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा, ईशान्य मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भोले की भक्ति एवं कजरी महोत्सव 2026 भव्य एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। भांडुप पश्चिम स्थित जैनम बैंक्वेट हॉल में आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं उत्तर भारतीय समाज के लोगों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में उत्तर भारतीय लोक संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जीवंत करते हुए बनारसी कजरी और मिजार्पुरी कजरी की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए मेहंदी आयोजन और श्रृंगार रस की प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।आयोजकों ने कहा कि महानगर मुंबई में उत्तर भारतीय लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे आयोजनों को निरंतर बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम में भोले की भक्ति के साथ लोक संस्कृति और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि कजरी जैसे पारंपरिक लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी भाषा, लोक-स्मृति और सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखने वाली धरोहर हैं। आयोजक एवं संदेश फाउंडेशन परिवार के अध्यक्ष संजय रामचंद्र शर्मा ने सभी अतिथियों, कलाकारों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया।

आयोजन में मनोज सिंह, बाबुलनाथ दुबे,सुभाष माली ,सुभाष सिंह ,ओम प्रकाश सिंह ,विनोद शुक्ला ,विकास शर्मा ,संजय शुक्ला ,आरके मिश्रा ,धीरेंद्र मिश्रा,अरविंद उपाध्याय, सुधीर मिश्रा,पुरुषोत्तम यादव,दिनेश ओझा,अवधेश तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी,द्वारा संपन्न हुआ ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय, वर्षा राम कदम वरिष्ठ पत्रकार बृजमोहन पांडे, श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल,अनिल शुक्ला,आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली,पत्रकार अविनाश पांडेय,भाजपा नेता श्रीनिवास तत्रिपाठी,भाजपा नेता जय प्रकाश सिंह, उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, भाजपा नेता उदय प्रताप सिंह,आरडी यादव,अशोक राय, साक्षी दलवी , जागृति पाटील, देवेंद्र प्रताप सिंह, लाल बहादुर यादव ,अरुण सिंह, राजेश गुप्ता, भाष्कर दुबे, पत्रकार आदेश मिश्र आदि गणमान्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संदेश फाउंडेशन परिवार एवं भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा ईशान्य मुंबई की टीम को सभी ने बधाई दी गई।

प्रेम की डोर टूटी तो जमीन का लालच बना मौत की वजह!

* रिश्ते में भाई से मोहब्बत शादी दूसरी जगह तय हुई तो खड़ी हुई साजिश की दीवार
* 22 लाख में काम कराने का आरोप, दोस्त मुठभेड़ में घायल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रेम की शुरूआत अक्सर सपनों से होती है, लेकिन जब उसी रिश्ते में लालच प्रवेश कर जाए तो कहानी का अंत कितना भयावह हो सकता है, राजातालाब क्षेत्र का श्रेया उपाध्याय हत्याकांड इसकी सिहरन पैदा करने वाली मिसाल बनकर सामने आया है। पुलिस की अब तक की जांच के मुताबिक, रिश्ते में भाई लगने वाले युवक से प्रेम, फिर परिवार की असहमति, शादी दूसरी जगह तय होना और इसके बाद करोड़ों की जमीन से जुड़ा लालच–इन कड़ियों ने कथित तौर पर एक ऐसी साजिश को जन्म दिया, जिसने एक छात्रा की जिंदगी छीन ली।

श्रेया अपने पिता की इकलौती संतान थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि उसका रिश्ते में भाई लगने वाले विवेक से प्रेम प्रसंग था। दोनों चोरी-छिपे मिलते रहे। समय बीतने के साथ जब श्रेया के विवाह की चर्चा शुरू हुई तो यह रिश्ता परिवार की जानकारी में आया। रिश्ते की सामाजिक और पारिवारिक जटिलताओं को देखते हुए दोनों को अलग रहने की सलाह दी गई। श्रेया ने भी परिवार और समाज की मयार्दा को देखते हुए विवेक से दूरी बनानी शुरू कर दी।

यहीं से कहानी ने कथित तौर पर करवट ली।

मोहब्बत के बीच दाखिल हुआ जमीन का लालच

पुलिस के अनुसार, श्रेया अपने पिता की इकलौती संतान थी और परिवार के पास करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन थी। जांच की दिशा में यह पहलू भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि विवाह के बाद इस संपत्ति पर श्रेया का अधिकार होना था। आरोप है कि विवेक इस संपत्ति को लेकर लालच में पड़ गया और श्रेया को किसी अन्य से विवाह करते देखना उसे मंजूर नहीं था।

पुलिस पूछताछ में सामने आए तथ्यों के मुताबिक, इसी सोच ने कथित तौर पर हत्या की साजिश का रूप लिया। इस साजिश में विवेक के दोस्त पुनीत मिश्रा को भी शामिल किए जाने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि पुनीत को इसके बदले 22 लाख रुपये देने का वादा किया गया था।

अखरी के किराए के कमरे में खत्म हुई जिंदगी

जांच के अनुसार, श्रेया को अखरी क्षेत्र स्थित एक किराए के मकान में मिलने के लिए बुलाया गया। कमरे में विवाह को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। पुलिस के

मुताबिक, श्रेया ने साफ कर दिया था कि उसकी शादी कहीं और तय हो चुकी है और अब वह परिवार के खिलाफ जाकर कोई कदम नहीं उठाएगी।

आरोप है कि इसी विवाद के दौरान श्रेया के साथ मारपीट की गई और उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद शव को उसी मकान के बाथरूम में छोड़ दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर अपने बचाव और पुलिस से बचने की रणनीति पर काम शुरू किया।

दो दिन तक कमरे में पड़ा रहा शव

श्रेया के घर नहीं लौटने पर परिवार ने पुलिस से शिकायत की। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसके मोबाइल नंबर की सर्विलांस के जरिए तलाश शुरू की। मोबाइल लोकेशन ने जांचकताओं को अखरी क्षेत्र के उस मकान तक पहुंचाया, लेकिन लोकेशन मिलने और मौके पर पहुंचने के बीच करीब दो दिन का समय बीत गया।

जब पुलिस और परिजन बताए गए मकान तक पहुंचे और दरवाजा खुला तो भीतर का दृश्य स्तब्ध कर देने वाला था। बाथरूम में श्रेया का शव पड़ा मिला। इसके बाद पुलिस ने हत्या की दिशा में जांच तेज कर दी।

एक फुटेज ने बदल दी पूरी जांच की दिशा

शुरूआत में पुलिस की जांच का केंद्र विवेक था, लेकिन घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज ने जांच को नया मोड़ दे दिया। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद विवेक के साथ उसका दोस्त पुनीत भी दिखाई दिया। इसके बाद पुनीत की गतिविधियों की कड़ियां जोड़ी जाने लगीं।

जांच में यह भी सामने आया कि पुनीत घटनास्थल से कैब के जरिए निकला था। पुलिस ने कैब चालक से जानकारी जुटाई और पुनीत के मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लिया। पुलिस के अनुसार, घटना के आसपास और शव मिलने तक विवेक तथा पुनीत के बीच लगातार फोन पर बातचीत हुई थी। यही कॉल डिटेल पुलिस के लिए एक अहम सुराग बन गई।

रात में घेराबंदी, फिर चली गोली

पुलिस ने पुनीत की तलाश तेज कर दी। रविवार रात उसकी लोकेशन जखिनी क्षेत्र में मिली। पुलिस के मुताबिक, पुनीत एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से जा रहा था। टीम ने चेकिंग के दौरान उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस को देखते ही उसने रास्ता बदलकर भागने की कोशिश की। पुलिस का दावा है कि घेराबंदी के दौरान पुनीत ने टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल पुनीत को पुलिस ने हिरासत में लेकर इलाज के लिए भेजा।

पूछताछ में खुलती गई साजिश की परतें

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में पुनीत ने श्रेया हत्याकांड में अपनी भूमिका और कथित साजिश से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य बताए हैं। पुलिस का दावा है कि उसे हत्या में सहयोग के बदले 22 लाख रुपये देने का वादा किया गया था।

अब इस पूरे मामले की सबसे अहम कड़ी विवेक की गिरफ्तारी है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जांच एजेंसियां कॉल डिटेल, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और घटनाक्रम से जुड़े अन्य साक्ष्यों को जोड़कर मामले की पूरी तस्वीर तैयार करने में जुटी हैं। श्रेया की मौत के पीछे वास्तव में प्रेम था, संपत्ति का लालच था या दोनों ने मिलकर इस रिश्ते को अपराध की ओर धकेला–इसका अंतिम जवाब पुलिस जांच और अदालत में सामने आने वाले साक्ष्य ही देंगे। लेकिन इतना जरूर है कि रिश्ते, लालच और कथित साजिश की इस कहानी ने बनारस को भीतर तक झकझोर दिया है।

SharpLight Technologies का भारत में प्रवेश

सुरक्षा, नियंत्रण और स्केलेबल एस्थेटिक्स के लिए डॉक्टर-नेतृत्व वाला वैश्विक प्लेटफॉर्म

मुंबई। वैश्विक मेडिकल एस्थेटिक्स टेक्नोलॉजी कंपनी शार्पलाइट टेक्नोलॉजीज (SharpLight Technologies) ने भारत में अपने प्रत्यक्ष प्रवेश की घोषणा की है। कंपनी ने अगस्त की शुरूआत में मुंबई के द वेस्टिन, पवई में आयोजित कॉसडर्म इंडिया 2026 (CosdermIndia 2026) सम्मेलन के दौरान भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कंपनी का उद्देश्य डॉक्टरों को अधिक नियंत्रण, सुरक्षित उपचार विकल्प और विविध भारतीय त्वचा प्रकारों के लिए प्रभावी तकनीक उपलब्ध कराना है।

दो दशकों से अधिक समय से 60 से अधिक देशों में लाइट एवं एनर्जी-आधारित उपचार प्रणालियों का विकास कर रही शार्पलाइट ने भारत में डॉक्टर-केंद्रित मॉडल पेश किया है। कंपनी का दावा है कि उसकी पेटेंटेड डायनेमिक पल्स कंट्रोल तकनीक चिकित्सकों को ऊर्जा वितरण को नियंत्रित करने की सुविधा देती है, जिससे हेयर रिमूवल, पिग्मेंटेशन, एक्ने, एंटी-एजिंग और बॉडी कंटूरिंग जैसे कई उपचार एक ही प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रूप से किए जा सकते हैं।

शार्पलाइट टेक्नोलॉजीज इंडिया के सीईओ तथा एशिया-प्रशांत एवं मध्य-पूर्व के लिए इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन निदेशक कुंतल देबगुप्ता ने कहा कि भारत एक विविध, डॉक्टर-नेतृत्व वाला और जागरूक बाजार है। कंपनी का उद्देश्य केवल मशीन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि क्लीनिकों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी कर मरीजों को बेहतर परिणाम देना है। बाजार अनुसंधान संस्था मॉर्डर इंटेलिजेंस के अनुसार भारत का मेडिकल एस्थेटिक्स बाजार प्रतिवर्ष लगभग 8 से 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। इसमें लगभग 45 प्रतिशत हिस्सेदारी चिकित्सक-नेतृत्व वाले त्वचा रोग क्लीनिकों की है। हेयर रिमूवल सबसे बड़ा उपचार क्षेत्र बना हुआ है, जबकि बॉडी कंटूरिंग, 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग और पुरुष मरीजों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

भारत में कंपनी ने हेयर रिमूवल के लिए अपने उन्नत डायोड लेजर प्लेटफॉर्म रैपिड एलीट और रैपिड फैंटम को प्रमुखता से पेश किया है। कंपनी के अनुसार ये सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त हैं तथा इनमें डुअल-मोड डिलीवरी तकनीक मरीजों को अधिक आराम प्रदान करती है। साथ ही इनमें डिस्पोजेबल पार्ट्स की आवश्यकता नहीं होती, जिससे उपचार की लागत नियंत्रित रहती है। शार्पलाइट के अनुसार उसके सिस्टम के माध्यम से विश्वभर में 10 करोड़ से अधिक उपचार किए जा चुके हैं और 5,000 से अधिक क्लीनिक साझेदार इसके साथ जुड़े हुए हैं। कंपनी का कहना है कि एक ही प्लेटफॉर्म पर कई उपचार विकल्प उपलब्ध होने से क्लीनिकों को कम निवेश में अधिक सेवाएं देने का अवसर मिलता है।

कंपनी ने भारत में प्रशिक्षण और सेवा समर्थन पर भी विशेष जोर दिया है। इसके तहत डॉक्टरों और क्लीनिकों के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षण, ऑनलाइन मॉड्यूल, वेबिनार, लाइव डेमो, तकनीकी सहायता, विस्तारित वारंटी, मशीन लोन सुविधा तथा मार्केटिंग सपोर्ट उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही एक डिजिटल पोर्टल के माध्यम से उपचार प्रोटोकॉल, वीडियो और मरीज शिक्षा सामग्री भी उपलब्ध होगी।

कुंतल देबगुप्ता ने कहा कि डॉक्टरों को सीमित सेटिंग्स और बढ़ती उपभोग्य सामग्री लागत की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसे उपकरण चाहिए जो भारतीय त्वचा के अनुरूप हों और बिक्री के बाद भी मजबूत सहयोग प्रदान करें। कंपनी इसी मानक को भारत में स्थापित करना चाहती है।

इस अवसर पर भारत में इजराइल के आर्थिक एवं वाणिज्यिक मिशन के प्रमुख योगेव मेउशार ने कहा कि शार्पलाइट का भारत में प्रवेश भारत-इजराइल नवाचार साझेदारी को और मजबूत करेगा तथा मेडिकल एस्थेटिक्स क्षेत्र में तकनीकी सहयोग और ज्ञान आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा। शार्पलाइट टेक्नोलॉजीज के ग्लोबल सीईओ एलेक्स क्लेमैन ने कहा कि भारत का बाजार चिकित्सकीय उत्कृष्टता और बढ़ती मरीज अपेक्षाओं से संचालित हो रहा है। कंपनी का लक्ष्य भारतीय त्वचा रोग विशेषज्ञों और एस्थेटिक चिकित्सकों को अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और सेवाओं के माध्यम से सशक्त बनाना है।

एडवोकेट पियूष पांडे गाजीपुर सदर से भाजपा के प्रबल दावेदार

-लाल शेखर सिंह चीफ ब्यूरो

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तरप्रदेश विधानसभा 2027 के चुनाव की तैयारियों में सभी राजनीतिक दल जोरशोर से लग गए है. भारतीय जनता पार्टी भी तीसरी बार अपनी जीत की हैट्रिक लगाने के लिए कमर कस चुकी है. अतः हर विधानसभा क्षेत्र से ईमानदार, कर्मठ और लोकप्रिय और प्रत्याशियों का चयन करने में लगी हुई है, इसी क्रम में गाजीपुर सदर सीट की बात करें तो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विचारों से संस्कारित भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्त्ता पियूष पांडे सबसे प्रबल दावेदार के रुप में दिखाई दे रहे हैं. उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रुप में प्रतिष्ठित पियूष पांडे की आम जनता के बीच जन समस्यायों से सरोकार रखने वाले सर्व सुलभ,कर्मठ ईमानदार,स्वच्छ भाजपा नेता की छवि बनी हुई हैं. गाजीपुर सदर विधानसभा के आम लोगों की मानें तो इस बार भारतीय जनता पार्टी यदि पियूष पांडे को अपना प्रत्याशी बनाती है तो इस सीट पर भाजपा अपनी जीत सुनिश्चित कर सकती है. गाजीपुर की सदर विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच पियूष पांडे की लोकप्रियता को देखते हुए इस क्षेत्र से भाजपा के टिकट की दावेदारी करने वालों में अधिवक्ता पियूष पांडे का नाम सबसे आगे चल रहा है. पियूष पांडे के जन सेवा कार्यों की लोकप्रियता से जन चर्चा है कि भाजपा से टिकट लेने वालों की रेस में एडवोकेट पियूष पांडे सबसे आगे चल रहे हैं!

मुंबई में शेयर ब्रोकरों के लिए पीएनबी की वन स्टाप ब्रांच आउटलेट

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने मुंबई में अपनी समर्पित स्टॉक ब्रोकर शाखा का उद्घाटन कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह शाखा प्रतिष्ठित बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) बिल्डिंग के ठीक सामने स्थित होने के कारण भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत रणनीतिक स्थान पर है। उद्घाटन समारोह पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के एमडी एवं सीईओ श्री सुंदररमन राममूर्ति तथा बीएसई क्लियरिंग लिमिटेड (बीएसईसीएल) की एमडी एवं सीईओ श्रीमती वैशाली बाबू की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक एवं मुंबई जोनल प्रमुख दीपक श्रीवास्तव और मंडल प्रमुख मुंबई शहर राजीव कमल भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विभिन्न एक्सचेंजों जैसे बीएसई, एनएसई, एमसीएक्स, बीएसईसीएल आदि के गणमान्य व्यक्ति, सम्मानित ग्राहक और प्रमुख हितधारक उपस्थित थे। अपने संबोधन के दौरान, पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने स्टॉक ब्रोकिंग समुदाय की आवश्यकताओं के अनुरूप अत्याधुनिक उत्पाद उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। स्टॉक ब्रोकर शाखा की शुरूआत सहज डिजिटल बैंकिंग समाधानों के माध्यम से स्टॉक ब्रोकरों को एंड-टू-एंड वित्तीय सेवाएं प्रदान करने की पीएनबी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शाखा की मुख्य पेशकशों में एनएसई क्लियरिंग कॉर्पोरेशन के सहयोग से ई-एफडीआर सुविधा, ई-बीजी , प्रतिभूतियों के एवज में ओवरड्राफ्ट और बैंक गारंटी सीमा शामिल हैं। मजबूत संबंध प्रबंधन, कम टर्न-अराउंड-टाइम और कुशल नियंत्रण प्रणालियों के साथ, पीएनबी स्टॉक ब्रोकिंग क्षेत्र में अपनी पहुंच बनाने और बैंकिंग की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने पर केंद्रित है।

सावन की मस्ती के साथ दिखी शिक्षिकाओं और माताओं की प्रतिभा

पटना। रुकनपुरा स्थित किड्सजोन - एन एलीमेंट्री स्कूल द्वारा द रेड गार्डन हॉल में सावन के अवसर पर सावन संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, शिक्षिकाओं और माताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। नृत्य, क्विज, रैंप वॉक, मनोरंजक खेल और टैलेंट शो जैसी गतिविधियों ने पूरे आयोजन को खास बना दिया। सावन क्वीन प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया जिसमें सोनाली राज ने सावन क्वीन का खिताब जीता। सावन क्वीन प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह, सिमा प्रभात, मनोज एवं सुजाता मौजूद रहे। शिक्षिकाओं और बच्चों की माताओं ने शानदार नृत्य प्रस्तुति देकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। बच्चों के लिए क्विज गेम का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिभा और सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया। इसके बाद रैंप वॉक में बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी अदाओं का प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया। सावन संगम का खास आकर्षण माताओं के लिए आयोजित यूनिक गेम और टैलेंट शो रहा। माताओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों के जरिए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का परिचय दिया। स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह ने कहा कि सावन संगम के आयोजन का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने की क्षमता को बढ़ाते हैं।

WE TOO COMMUNITY: जहाँ जुड़ाव बनता है उपचार

आर्चना जैन, लुब्धा पोरवाल और अलीफिया बागस्रावाला द्वारा मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए एक सशक्त नई पहल और डॉ. मंजू लोढ़ा के हाथों सुहैल खंडवानी और दिलशाद एस खान को किया गया सम्मानित

मुंबई। आज की दुनिया में जहाँ बहुत से लोग अपने चेहरे की मुस्कान के पीछे अपनी परेशानियाँ और संघर्ष छिपाए रहते हैं, वहीं ही We Too Community एक बेहद महत्वपूर्ण संदेश के साथ सामने आई है - आप अकेले नहीं हैं। आर्चना जैन, लुब्धा पोरवाल और अलीफिया बागस्रावाला द्वारा स्थापित और Florian Foundation, Meet & Greet Foundation और Two Scents की पहल से शुरू हुई ही We Too Community मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए समर्पित एक संवेदनशील और सुरक्षित मंच है। इसका उद्देश्य ऐसा वातावरण बनाना है जहाँ लोग बिना किसी डर या संकोच के अपनी भावनाएँ व्यक्त कर सकें, अपने अनुभव साझा कर सकें, सुने जा सकें और एक-दूसरे से जुड़कर आगे बढ़ने की शक्ति पा सकें। 19 अगस्त को Sharda Mandir High School में We Too Community का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन करुणा, मानवता और आपसी जुड़ाव की सोच को समर्पित एक खूबसूरत शुरूआत रहा। कार्यक्रम में विशिष्ट Guests of Honour, प्रेरणादायक पैनलिस्ट, समर्थक और शुभचिंतक शामिल हुए, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल को अपना समर्थन दिया। मुख्य अतिथि सम्माननीय डॉ. मंजू लोढ़ा, दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस खान व हाजी अली दरगाह और माहिम दरगाह के ट्रस्टी सुहैल खंडवानी की उपस्थिति और आशीर्वाद ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया। प्रभावशाली चर्चाओं, भावनात्मक क्षणों, सार्थक संवाद और उत्साह से भरे इस आयोजन ने We Too Community के लिए एक भव्य और बेहद सफल शुरूआत की नींव रखी। संस्थापकों ने इस यात्रा में साथ देने वाले हर व्यक्ति के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। आने वाले समय में We Too Community अपना समर्पित ऐप भी लॉन्च करने जा रही है, जिससे यह समुदाय और भी अधिक लोगों तक पहुँच सकेगा।

WE TOO COMMUNITY — मिशन, विजन और उद्देश्यः मिशनः एक सुरक्षित, संवेदनशील और समावेशी मंच तैयार करना, जहाँ हर व्यक्ति बिना किसी निर्णय या भेदभाव के अपनी बात कह सके, सहयोग प्राप्त कर सके और स्वयं को सुना हुआ महसूस कर सके। विजनः एक ऐसा मजबूत और जुड़ा हुआ समुदाय बनाना जहाँ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले और कोई भी व्यक्ति अपनी यात्रा में खुद को अकेला महसूस न करे। उद्देश्यः सार्थक संवाद, सपोर्ट सर्कल, जागरूकता अभियानों, विशेषज्ञ सत्रों, वेलनेस गतिविधियों और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से भावनात्मक मजबूती बढ़ाना, आपसी जुड़ाव मजबूत करना, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े संकोच और कलंक को कम करना तथा लोगों को स्वयं को बेहतर समझने, आगे बढ़ने और एक-दूसरे का साथ देने के लिए सशक्त बनाना।

डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

पनवेल नवी मुंबई, (उत्तरशक्ति)। समाजसेवा, जनसेवा एवं रचनात्मक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए समाजसेवी चंद्र प्रताप प्रजापति (सी.पी.) को मानद डॉक्टरेट (Honorary Doctorate)" की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके द्वारा फिल्म निर्माण एवं निर्देशन में सहयोग तथा सामाजिक क्षेत्र में किए गए कार्यों और निरंतर सामाजिक योगदान के लिए प्रदान किया गया है।

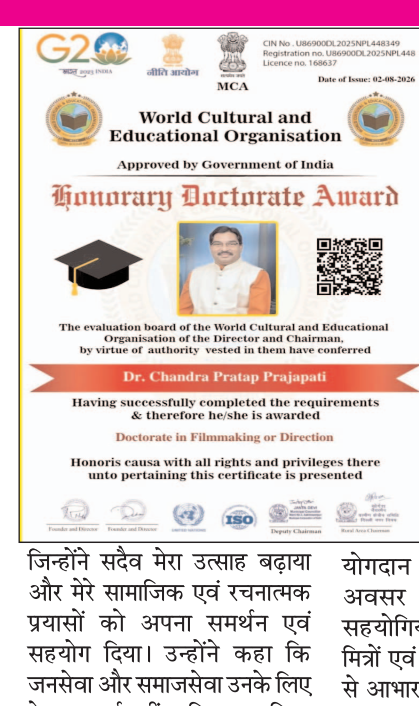

यह सम्मान प्रजापति के लिए केवल एक शैक्षणिक उपाधि नहीं, बल्कि वर्षों से समाजहित में किए जा रहे कार्यों, रचनात्मक प्रयासों, जनसेवा तथा समाज के प्रति उनके समर्पण की एक महत्वपूर्ण पहचान और नई जिम्मेदारी है। सम्मान प्राप्त होने पर डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति ने कहा कि, मैं इस सम्मान को अपने परिवार, सहयोगियों, मित्रों, समाज के सभी सम्मानित बंधुओं एवं शुभचिंतकों को समर्पित करता हूँ, जिन्होंने सदैव मेरा उत्साह बढ़ाया और मेरे सामाजिक एवं रचनात्मक प्रयासों को अपना समर्थन एवं सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि जनसेवा और समाजसेवा उनके लिए केवल कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। मानद डॉक्टरेट की यह प्रतिष्ठित उपाधि उन्हें समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाने की प्रेरणा देती है। डॉ. प्रजापति ने कहा कि आने वाले समय में भी उनका प्रयास रहेगा कि इस सम्मान की गरिमा को बनाए रखते हुए समाजसेवा, राष्ट्रहित, जनकल्याण, सामाजिक जागरूकता तथा रचनात्मक कार्यों के माध्यम से समाज और देश के लिए निरंतर सकारात्मक योगदान देते रहें। उन्होंने इस अवसर पर सभी परिजनों, सहयोगियों, सामाजिक बंधुओं, मित्रों एवं शुभचिंतकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी का स्नेह, विश्वास, सहयोग और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।

तुंगारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में संगीतप्रेमी कलाकार स्नेहमिलन संपन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। भाजपा नेता अमित दुबे के नेतृत्व में जयओम सेवा संस्था द्वारा शनिवार शाम को 7 बजे से संपूर्ण रात तक वसई के तुंगारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में हरिकीर्तन, भजन तथा संगीतप्रेमी कलाकार स्नेहमिलन समारोह का कार्यक्रम संपन्न हुआ. सायं 7 बजे से रात 10 बजे तक सभी वाद्यों के साथ रामधुन महामंत्र को विभिन्न रागों एवं धुनों में सामुहिक रुप से गाकर संकीर्तन चलता रहा. तत्पश्चात वसई तालुका,पालघर, मुंबई. ठाणे,नवी मुंबई आदी स्थानों से आए सभी कलाकारों ने अपने अपने गायन शैली में भगवान के भजन प्रस्तुत कर महादेव जी को समर्पित किया. सुबह ५.३० बजे तक भजन गायन का कार्यक्रम चलता रहा. तत्पश्चात महादेव जी को जलाभिषेक कर सभी कलाकार एवं भक्तों ने भगवान की आरती कर कार्यक्रम का समापन किया. इस कार्यक्रम में शिवभक्तों के साथ सुप्रसिद्ध इंडियन आइडल फेम राधा श्रीवास्तव, म्यूजिक डायरेक्टर अमित श्रीवास्तव, कलाकार सेवा संस्था के अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी, अमर सिंह रघुवंशी, अजय मिश्रा परदेशी, ओमकार विश्वकर्मा, रामानुज पाठक, अरूप चक्रवर्ती, अखिलेश दुबे, सुशील मिश्रा, सुनील पांडे, दीपक सुहाना (छोटका खेसारी), राजा रसिया, प्रेम सिंह, रघुराज सिंह, नीरज मिश्रा, राजू दुबे, आशीष पांडे, गिरीश तिवारी, आशुतोष मिश्रा, कौशल पांडे, राजेश गुप्ता, सोहन तिवारी, अनिरुद्ध मिश्रा, अंकिता पांडे, रितेश पैड, राजेश गुप्ता, गुड्डू, राजेश राज, रागिनी प्रजापति, आशीष मिश्रा, राजू मिश्रा, राम प्रताप, दुर्गेश तिवारी, अमन पांडे, अभय पांडे, सुमित, धर्मेंद्र सिंह, मुकेश प्रजापति, ओमकार विश्वकर्मा, अमिता मौर्य, विवेक तिवारी, सोनू तिवारी, खुशबु मिश्रा, श्रीकांत सिंह, मोहन यादव, नेता जी, संतोष सिंह, रवि यादव, सुशील तिवारी, दयाराम गुप्ता, हिमांशु सिंह, माखन, आशीष मिश्रा, राहुल तिवारी, हर्ष मिश्रा, हितेष विश्वकर्मा, अंतिम उपाध्याय आदि कलाकारों ने सहभाग लेकर हरिकीर्तन, भजनसंध्या एवं संगीतप्रेमी कलाकार स्नेहमिलन को सफलतापूर्वक संपन्न किया.

सरकारी नौकरी की आड़ में सायबर जालसाजी

मुंबई। वैश्विक साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता, क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की एंटरप्राइज सुरक्षा शाखा सेक्राइट ने ऑपरेशन शैडोरिक्रूट के बारे में प्रमुख जानकारियों का खुलासा किया है। यह भर्ती के नाम पर चलाया जा रहा एक मैलवेयर अभियान है, जो कैबिनेट सचिवालय में सीनियर फील्ड ऑफिसर पदों के लिए फर्जी भर्ती नोटिस के माध्यम से भारतीय सरकारी नौकरियों की तलाश करने वाले युवाओं को निशाना बना रहा है। इस अभियान में एक दुर्भावनापूर्ण एलएनके फाइल, एक पावरशेल स्क्रिप्ट और एक .NET एक्जीक्यूटेबल फाइल वाली ZIP आर्काइव का इस्तेमाल किया जाता है। इसके जरिए हमलावर शुरूआती पहुंच बनाते हैं, एक कस्टम रिमोट एक्सेस ट्रोजन (आरएटी) तैनात करते हैं और एक गुप्त कमांड-एंड-कंट्रोल चैनल बनाए रखते हैं। भारत की सबसे बड़ी मैलवेयर विश्लेषण सुविधा, सेक्राइट लैब्स के शोधकताओं ने पाया कि हमलावर संक्रमण के दौरान वैध रिमोट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म कंट्रोलआर का भी दुरुपयोग करते हैं। इसके बाद वे अंतिम पेलोड के लिए एक बैकअप कमांड-एंड-कंट्रोल चैनल के रूप में गूगल शीट्स का उपयोग करते हैं, जिसे सेक्राइट ने शीटएजेंट आरएटी नाम दिया है। यह मैलवेयर संक्रमित सिस्टम को एक स्प्रेडशीट में रजिस्टर करता है, हमलावर द्वारा नियंत्रित सेल्स से कमांड पढ़ता है और परिणाम वापस लिखता है, जिससे एक चैनल बाधित होने पर भी ऑपरेशन जारी रहता है। इस अभियान की शुरूआत एक ज़िप आर्काइव से होती है जो देखने में अनुमोदित दस्तावेज का भ्रम पैदा करती है, लेकिन वास्तव में इसमें एक दुर्भावनापूर्ण शॉर्टकट, एक पावरशेल डाउनलोडर और एक छिपी हुई निष्पादन योग्य फाइल शामिल होती है। एलएनके फाइल को ब्राउजर आइकन के रूप में छुपाया गया है जो हिडन मोड में पावरशेल स्टेज को लॉन्च करती है। यह पावरशेल .ठएळ ड्रॉपर्स को ट्रिगर करने से पहले पीड़ित मशीन को कंट्रोलआर में डाउनलोड और एनरोल करता है। इसके बाद ड्रॉपर शेड्यूल किए गए टास्क या स्टार्ट-अप शॉर्टकट के माध्यम से सिस्टम में अपनी पैठ बना लेता है, जबकि स्क्रीन पर एक फर्जी भर्ती दस्तावेज टारगेट का ध्यान भटकाने का काम करता है। यह जाल भारतीय नौकरी तलाशने वालों, विशेष रूप से सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने वालों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो इस अभियान को अत्यधिक विश्वसनीय और सामाजिक छलावे पर आधारित है।

द बॉडी शॉप का रक्षाबंधन विशेष कलेक्शन

मुंबई। ब्रिटिश एथिकल ब्यूटी ब्रांड द बॉडी शॉप अपने लिमिटेड-एडिशन वेलवेट फिग एंड पिस्ता और अजवा डेट एंड हनी कलेक्शंस के साथ ही पर्सनलाइज्ड क्रिएट योर ओन गिफ्ट बॉक्सेस के जरिए रक्षाबंधन मना रहा है। शानदार गॉरमंड फ्रैगरेंस और पौष्टिक बॉडीकेयर का यह त्यौहारी मेल भाई-बहन के प्यार भरे रिश्ते का जश्न मनाने के लिए एक विशिष्ट उपहार का विकल्प देता है। क्रिएट योर ओन गिफ्ट बॉक्सेस केवल द बॉडी शॉप के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स पर ही उपलब्ध हैं, जो ग्राहकों को अपने मनपसंद स्किनकेयर, बॉडीकेयर और हेयरकेयर प्रोडक्ट्स चुनकर स?वयं का पर्सनलाइज्ड हैम्पर तैयार करने की सुविधा देते हैं। ये बॉक्सेस दो खूबसूरत फेस्टिव डिजाइनों में आते हैं, और जरूरत के अनुसार चुनिंदा आउटलेट्स पर इनके साथ हैप्पी राखी टैग भी दिए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में, द बॉडी शॉप ने अपनी हेयरकेयर रेंज में रोजमेरी हेयर ऑयल और आमंड हेयर ऑयल भी जोड़े हैं। ये लाइटवेट और नॉन-स्टिकी फॉर्मूला खास तौर पर भारतीय केश संबंधी समस्याओं जैसे बालों का पतला होना, टूटना, फ्रिज और डैमेज को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। प्राकृतिक सामग्री और आधुनिक देखभाल का यह मिश्रण पारंपरिक हेयर ऑयलिंग को एक आसान सेल्फ-केयर दिनचर्या में बदल देता है। वेलवेट फिग एंड पिस्ता और अजवा डेट एंड हनी कलेक्शंस सीमित समय के लिए उपलब्ध हैं और केवल द बॉडी शॉप इंडिया के अपने स्टोर्स, वेबसाइट और नायका पर ही बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। रोजमेरी और आमंड हेयर ऑयल्स अब भारत में द बॉडी शॉप के सभी स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।